चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 143 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

16 नवंबर 2024 शनिवार

आज का मौसम

30 अधिकतम

21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

पहले दौर के मतदान का चौंकाने वाला निष्कर्ष, सियासी दल बदल रहे रणनीति

महिला मतदाता बन सकती हैं महाराष्ट्र-झारखंड में गेमचेंजर

नई दिल्ली/ मुंबई.एजेंसी

दो राज्यों में विधानसभा चुनाव में नारों की सरगर्मी और जवाबी नारों ने नया रंग घोल रखा है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को सभी सीटों पर और झारखंड में इसी दिन दूसरे फेज के मतदान की तारीख जैसे-जैसे करीब आ रही है, सभी राजनीतिक दल नारों की जंग में उलझते जा रहे हैं। वहीं झारखंड में पहले चरण में महिलाओं की मतदान में पुरूषों से ज्यादा भागीदारी भी नया समीकरण बनाती नजर आ रही है। करीब तीन दर्जन सीटों पर महिलाओं ने जोरदार मतदान किया है। झारखंड में भी महिलाओं को प्रतिमाह दी जाने वाली राशि की %जंग% सभी द लों में है। यह फार्मूला मप्र से चल निकला है। अब नये आंकडे के चलते सभी प्रमुख दल भी महिला वर्ग में अपनी पैठ बढाने के प्रयास में लगे हैं। महाराष्ट्र में महिलाओं का रुझान व नारों की होड से कई कयास लगाये जा रहे है।

जानकारों का मानना है कि महाराष्ट्र और झारखंड दोनों विधानसभा चुनावों में नारों में बदलाव इस बात की ओर इशारा करता है कि यह कैसे सड़क, बिजली और पानी (बुनियादी जरूरतों) से आगे निकल गए हैं। पहले भी चुनावी अभियानों में जन रैलियां, घर-घर जाकर प्रचार और जमीनी स्तर पर लामबंदी का बोलबाला था, जिसमें राजनीतिक दल वोट जीतने के लिए मुफ्त बिजली, पानी, कर्ज माफी और सरकारी नौकरी जैसी मुफ्त चीजें देते थे, हालांकि चुनावी प्रलोभनों का विकल्प अभी भी मौजूद है, लेकिन इसमें बदलाव हुआ है, आज पार्टियां ऐसे नारों पर ज्यादा जोर दे रही हैं जो विशिष्ट क्षेत्रीय और जाति-आधारित ज्यादा हैं।

उड़ता महाराष्ट्र कांग्रेस का नया हमला

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने भारतीय जनता पार्टी पर कड़े प्रहार किए हैं, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र को उड़ता महाराष्ट्र बना देने का आरोप लगाया है। उन्होंने बीजेपी को किसान विरोधी, युवा विरोधी और महिला विरोधी बताया है. पटोले का कहना है कि राज्य के लोग बीजेपी के विरोध में हैं, और इस गुस्से का असर आगामी चुनावों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोग अब बदलाव के लिए तैयार हैं और यह चुनाव परिणामों में देखने को मिलेगा।

मप्र के सीएम दिल्ली जाएंगे

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव महाराष्ट्र व झारखंड के कई चुनावी दौरे कर चुके हैं। माना जा रहा है कि वे कल भी इस राज्य का दौरा कर सकते है। हालंकि आज वे भोपाल में है और उनका शाम तक समय आरक्षित है। वे रात को दिल्ली रवाना हो रहे हैं।

झारखंड में दूसरा दौर किसका

हाल ही में झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग का पहला चरण संपन्न एक नए तरह का ट्रेंड को सामने लाया है। पहले चरण में 43 सीटों पर वोटिंग हुई है, जिनमें महिला मतदाताओं का प्रतिशत बढ़ा हुआ नजर आया। पहले चरण में मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और कुल 66.65 फीसदी मतदान दर्ज किया गया, जिसमें महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ते हुए 43 में से 37 सीटों पर अधिक मतदान किया। निर्वाचन आयोग के संयुक्त निदेशक अनुज चांडक ने बताया है कि इस चरण में मतदान प्रतिशत में 2019 की तुलना में 2.75 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. यह वृद्धि महिला मतदाताओं की बढ़ती सक्रियता को दर्शाती है।

कांग्रेस नेता व पूर्व सीएम कमलनाथ आज भोपाल पहुंचे और कुछ देर रुककर छिंदवाडा रवाना हो गये। उनसे कई नेताओं ने मुलाकात की और जन्मदिन की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

बेकाबू कार ने टैंपो को मारी टक्कर, 7 मौतें

बिजनौर. एजेंसी

उप्र के बिजनौर में आज तड़के बेकाबू कार चालक ने टैंपो को टक्कर मार दी, जिसमें दूल्हा-दुल्हन सहित 7 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। मरने वालों में छह लोग एक ही परिवार के थे। दूल्हा-दुल्हन और परिजन झारखंड में शादी कर घर की ओर लौट रहे थे। एक्सीडेंट 2 बजे नेशनल हाईवे-74 के फायर स्टेशन के पास हुआ। झारखंड से परिवार के सभी लोग रात 1.30 पर मुरादाबाद स्टेशन से उतरकर टैंपो में सवार होकर धामपुर की ओर निकले थे। हादसे में दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे के मौसी-मौसा और मौसेरी बहन की मौत हो गई है।

पुलिस से मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर

नारयणपुर. एजेंसी

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के सीमावर्ती नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ क्षेत्र में आज पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर आ रही है। मुठभेड़ में तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। दोनों पक्षों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। फिलहाल मुठभेड़ में पुलिस बल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। जानकारी के अनुसार उत्तर अबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर डीआरजी, एसटीएफ और बीएसएफ की संयुक्त पुलिस टीम ने सर्चिंग अभियान शुरू किया। यह अभियान सुबह 8 बजे के आसपास शुरू हुआ व तेजी से नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में बदल गया।

नर्स ने जलाई तीली, भड़क उठी आग, बदहवासी में बदले नवजात! 10 की मौत से हड़कंप

झांसी. एजेंसी

बीती रात झांसी मेडिकल कॉलेज के चाइल्ड वार्ड में आग तो बुझ गई है लेकिन कई परिवार इसमें 'तबाह' हो गये हैं। क्योंकि इस आग में 10 बच्चों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई है। उप्र सरकार ने मृतक बच्चों के परिवारों को पांच पांच लाख व घायलों को पचास पचास हजार की सहायता दी है। 16 बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं। वाडे में करीब 55 नवजात थे। पहले कहा जा रहा था कि शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लगी थी लेकिन अब अलग खबरें सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुछ प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि एक नर्स ने ऑक्सीजन सिलेंडर के पाइप को जोड़ने के लिए माचिस की तीली जलाई और जैसे ही माचिस जली, पूरे वार्ड में आग लग गई। अफसरों का कहना है कि अचानक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर में आग से वार्ड में आग फैल गई।सीएम योगी ने घटना का संज्ञान लिया है और 12 घंटों के भीतर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

पहचान का संकट

दरअसल एसएनसीयू वार्ड में जन्म के बाद पीलिया, निमोनिया से पीड़ित नवजात रखे जाते हैं। महज चंद घंटे की उम्र होने के नाते पहचान के लिए इनके हाथ में सिर्फ मां के नाम की स्लिप अथवा पांव में रिबन लगी होती है लेकिन, आगजनी के बाद अफरातफरी में अधिकांश नवजातों के हाथ की स्लिप निकल गई। इनको बाहर निकाला गया तो इनके पास कोई पहचान चिह्न नहीं था। अधिकांश परिजनों को जो नवजात मिला, उसे उठाकर वह ले गए।

खुलेआम घूम रहा मुंबई हमले का मास्टरमाइंड

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा का ऑपरेशन कमांडर जकी-उर-रहमान लखवी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहा है। यह बात सोशल मीडिया पर उसके कई वीडियो वायरल होने से जाहिर हुई है। एक वीडियो में वो पार्क में जिम सेशन में हिस्सा लेता नजर आ रहा है। हालांकि, वीडियो की सही जगह व तारीख के बारे में अभी तक स्पष्ट नहीं है। वहीं जकी-उर-रहमान लखवी को लेकर कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया है कि उसने लुक बदल लिया है। इससे पहले आतंकी जकी-उर-रहमान लखवी को इस्लामाबाद कोर्ट में देखा गया था। माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका की ओर से आतंकी घोषित लखवी कथित तौर पर पाकिस्तान की जेल से बाहर है। तीन साल पहले लाहौर की आतंकवाद-रोधी अदालत ने साल 2021 में आतंकी वित्तपोषण मामले में 5 साल जेल की सजा सुनाई थी और उस पर जुर्माना भी लगाया था।

बॉक्सिंग के ब्रैडमेन की वापसी फ्लॉप जैक के सामने पस्त

एर्लिंगटन. एजेंसी

अमेरिका के दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन ने लगभग 20 साल बाद प्रोफेशनल बॉक्सिंग में वापसी की लेकिन यह यादगार नहीं रही। उन्हें जैक पॉल के खिलाफ महामुकाबले में 74-78 से हार का सामना करना पड़ा। टायसन पहले दो राउंड में तो आगे रहे, लेकिन बाकी के छह राउंड में वो जैक के जोरदार पंचों से पिछड़ गए। जेक और टायसन के बीच उम्र में 30 साल का फासला है। 58 साल के होने के बावजूद टायसन ने अंत तक हार नहीं मानी। इससे पहले टायसन ने आखिरी प्रोफेशनल मुकाबला साल में 2005 में केविन मैकब्राइड के खिलाफ खेला था, जिसमें भी वो हारे थे।

मेट्रो एंकर

पन्ना टाइगर रिजर्व से सटे गांवों में कुत्तों का टीकाकरण

टाइगर को अब कुत्तों से खतरा!

पन्ना, रवीन्द्र व्यास

मध्यप्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघों को आवारा कुत्तों से संभावित खतरे को देखते हुए सीमावर्ती गांवों के कुत्तों का टीकाकरण करने की योजना तैयार है। वजह यह कि कुत्तों से फैलने वाला केनाइन डिस्टेम्पर वायरस बाघों के लिए बड़ा खतरा बन गया है। बड़ी मुश्किल से पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघ फिर से आबाद हुए हैं और आबाद होने के कुछ वर्ष बाद ही इस वायरस के कारण 2015-2016 में एक बाघ और दो तेंदुआ की मौत हो गई थी। कल से शुरू हुए टीकाकरण का पहला दौर। दिसंबर तक चलेगा। फिर 2 से 25 जनवरी तक दूसरा चरण होगा। यह खतरनाक केनाइन डिस्टेम्पर वाइरस टाइगर रिजर्व के आसपास की बसाहटों में रहने वाले आवारा और पालतू कुत्तों में पाया जाता है। वायरस से संक्रमण की स्थिति सिर्फ पन्ना जिले तक सीमित नहीं बल्कि इसके लक्षण छतरपुर, और दमोह जिले के आवारा कुत्तों मे भी पाए गए हैं। पन्ना टाइगर रिजर्व में सितम्बर 2013 में एक पागल कुत्ते ने बाघ को काट कर जख्मी कर दिया था। जख्मी बाघ को इन्क्लोजर में रखकर उसे रैबीज के टीके लगाये गये जिससे उसे संक्रमण से बचा कर पार्क प्रबंधन नवजीवन दिया था। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान भी

इस वाइरस को बाघों के लिए गंभीर खतरा मानता है एनटीसीए ने भी हाल ही में राज्यों के टाइगर रिजर्व के आसपास के इलाको में घूमने वाले पालतू या आवारा कुत्तों के टीकाकरण के निर्देश दिए हैं।

पन्ना पन्ना टाइगर रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर अंजना सुचिता तिर्की ने बताया कि पन्ना टाइगर रिजर्व के समीपवर्ती लगभग 36 गांव में लगभग 1150 आवारा कुत्ते हैं उनका टीकाकरण किया जाना है। वन्य प्राणी चिकित्सक डॉक्टर संजीव गुप्ता के निर्देशन में जो गौसेवक, एएफओ के माध्यम से यह कार्यक्रम चलाया जाएगा केनाइन डिस्टेम्पर वायरस कुत्ते श्वांस, लार या मूत्र जैसे शरीर के तरल पदार्थों से ये वायरस छोड़ते हैं,। वायरस कई महीनों तक अपना असर दिखाते हैं।

शिकार इस वायरस का मुख्य संवाहक

केट प्रजाति के लिए कैनाइन डिस्टेंपर का संक्रमण इतना खतरनाक माना जाता कि इससे बाघ और तेंदुए की मौत तक हो जाती है। ऐसे खतरनाक वायरस वाले कुत्ते अगर बिना टीकाकरण के वन्यजीवों के संपर्क में आते हैं तो ये संक्रमण के मुख्य स्रोत बन जाते हैं। अब तक की रिसर्च में इस वायरस से निपटने के लिए कोई एंटी वायरल दवा नहीं बन पाई है। दरअसल उसमें टाइगर जो शिकार करता है, उसे कुत्ते भी खाते हैं। लिहाजा यह वायरस कुत्तों के द्वारा उस शिकार में चला जाता है तथा इससे बाघ संक्रमित होता है। जिन कुत्तों को टीका लगेगा, उसे एक लेदर बेल्ट पहनाया जायेगा ताकि पता चल सके कि इसमें बूस्टर डोज लगा है।

राजधानी ठंड बढ़ने लगी है। रात के समय में हल्का कोहरा छाने लगा है। दृश्य वीआईपी रोड का... फोटो निर्मल व्यास

राजधानी में रातें सर्द, दिन में धूप सख्त

भोपाल। उत्तरी इलाकों में ठंडी बयार चलने से तापमान में गिरावट आ गई है। इससे भोपाल समेत कई जिलों में रात का तापमान 2 डिग्री तक कम हो गया है। हालांकि, प्रदेश के दक्षिणी इलाकों में ठंड से राहत बनी हुई है और यहां के तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है। भोपाल में रात काफी सर्द होने लगी है। गुरूवार शुक्रवार की दरम्यानी रात सीजन की सबसे सर्द रात रिकॉर्ड की गई, जब रात का न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 2.8 डिग्री कम था। हालांकि, दिन का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.4 डिग्री अधिक रहा। उधर पचमढ़ी में सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला के अनुसार, प्रदेश में तापमान में और कमी आने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि दिन और रात के तापमान में कमी अभी जारी रहेगी। भोपाल के तापमान में लगातार कमी देखने को मिल रही है। हालांकि मंडला का न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो पचमढ़ी के बाद सबसे कम रहा। पाकिस्तान और उसके हवा के ऊपरी भाग में एक द्रोणिका बनी हुई है। उसके पास होने के बाद तापमान में और अधिक गिरावट होगी। प्रदेश का अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहेगा और तापमान में कमी बनी रहेगी।

सड़क पर कचरे का ढेर, नगर निगम अधिकारी नहीं ले रहे सुध

शिकायत करने के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई, सफाई तो दूर शिकायत करने पर कॉल तक अटैंड नहीं कर रहे अधिकारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी का पुराना शहर इन दिनों कचरे की समस्या से परेशान है। सूर्या नगर, जनता नगर, कपिला नगर, पारस नगर, विश्वकर्मा नगर, मुरली नगर, हनीफ कॉलोनी, फिजा कॉलोनी में जगह-जगह कचरे का ढेर लगा हुआ है। हद तो इस बात की है कि यह ढेर गलियों में नहीं, बल्कि मुख्य स?क पर लगा है। स्थानीय लोग शिकायत करते हैं तो शिकायत सुन तो ली जाती है, लेकिन शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कांग्रेस नेता अल्पसंख्यक प्रदेश महामंत्री हफीज खान वार्ड नंबर 78 में रहते हैं। उन्होंने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि कचरे की समस्या से यहां रहने वाले बच्चे बुजुर्ग और महिलाओं समेत सभी लोग परेशान है। नगर निगम के अधिकारियों को बार बार शिकायत की जा चुकी है। इसके अलावा सीएम हेल्प लाइन पर भी शिकायत की गई, लेकिन समाधान नहीं हो सका। सीएम हेल्प लाइन से कॉल आता है कि आपकी समस्या सुन ली गई है और अपनी शिकायत वापस ले लीजिए, लेकिन शिकायत सुनी गई है समाधान अभी तक नहीं हो सका है। रहवासियों ने नगर निगम कमिश्नर से निवेदन किया है कि वह स्वयं आकर वार्ड नंबर 78 का भ्रमण करें और कचरे की समस्या का समाधान कराएं।

सप्ताह में एक बार आ रही कचरे की गाड़ी: कचरा सड़कों पर फैलने का प्रमुख कारण यह भी है कि इस वार्ड में करीब 35 हजार की आबादी निवास करती है। इसके विपरित यहां तीन चार ही गाड़िया कचरा कलेक्शन करने पहुंचती है। वह भी प्रतिदिन नहीं पहुंच रही है। लिहाजा लोग अपने घरों का कचरा या तो गलियों में फेंक रहे है या फिर सड़कों पर फैंक देते है। कचरा कलेक्शन करने वाली गाड़ियां आती है तो वह केवल डोर-डोर कचरा कलेक्शन करने के बाद निकल जाती है।

इन कॉलोनी में भी यही है स्थिति: संजय नगर, आवास विकास, मयूर विहार, एकता बिलाल कॉलोनी, मोतीलाल नगर पुलिया, अमन कॉलोनी, वकील कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड, हरी मजार, ईरानी डेरा इलाके में भी कचरे की समस्या इसी तरह है। यहां भी जगह-जगह सड़कों पर कचरा पड़ा हुआ है।

मुख्य रेल्वे स्टेशन को संवारने की नई कवायद

नई रेल लाइन बिछेगी, फुटओवर ब्रिज बनेगा 700 करोड़ होंगे खर्च

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक की तरफ नई रेल लाइन का काम आने वाले समय में जब किया जाएगा तो मौजूदा संरचनाओं में कई बदलाव होंगे। दरअसल भोपाल स्टेशन को सुविधायुक्त बनाने के लिये लंबे समय से प्रयास चल रहे हैं लेकिन यह भी एक हकीकत है कि यात्रियों को रोज किसी न किसी समस्या से जूझना ही पड रहा है।

बताया जाता है कि इस नए कार्य के कारण भोपाल स्टेशन के पास सीनियर सेक्शन इंजीनियर कार्यालय को शिफ्ट किया जा सकता है। इस कार्य में लगभग 648 करोड़ रुपये की लागत आएगी। नई रेल लाइन बनने से आउटर में खड़े होने की समस्या भी दूर होगी। इसके साथ ही 700 मीटर का एक प्लेटफार्म तैयार किया जाएगा। इसका निरीक्षण रेलवे के अधिकारियों ने कर लिया है। इसके अलावा भोपाल रेलवे स्टेशन और निशातपुरा रेलवे स्टेशन के बीच बने नाले के पास से रेलवे हास्पिटल के पास तक नए प्लेटफार्म को बनाया जाएगा। जो सात सौ मीटर लंबा होगा, इसमें 24 कोच वाली ट्रेन आसानी से रुक सकेंगी। हालांकि कार्य हेतु नई रेल लाइन को बिछाई जानी है, यह रेल लाइन भोपाल रेलवे स्टेशन से जोड़ेगी, जिससे आने वाले समय में लोगों को फायदा होगा। स्टेशन के बीना एंड पर ही एक और नया फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण किया जाएगा। साथ ही यात्रियों के आवागमन के लिए दोनों तरफ नए आगमन और निर्गमन का निर्माण भी किया जाएगा। इन कवायदों का फायदा यह होगा कि दिल्ली-बीना-निशातपुरा तरफ से आने वाली ट्रेनों के ठहराव करने में आसानी होगी। इससे आउटर में काफी समय तक जो ट्रेनें खड़ी रहती थी, यह समस्या भी दूर होगी। उल्लेखनीय है कि अभी प्लेटफार्म-1 से चौबीस घंटे में 48 ट्रेनें गुजरती हैं। ये ट्रेनें स्टॉपेज के चलते चौबीस घंटे में औसतन 7.11 घंटे प्लेटफार्म पर रुककर चलती हैं। यदि ये सभी ट्रेनें नियमित समय पर प्लेटफार्म से होकर गुजरें तो कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन हर तीसरी-चौथी ट्रेन लेट हो जाती है। ठंड के दिनों में ऐसा अक्सर होता है। गर्मी के दिनों में एसी फेल होने के कारण आधे से एक घंटे तक ट्रेनों को रोकना पड़ता है। इस तरह ट्रेनों को प्लेटफार्म पर लेने का समय पूरा गड़बड़ा जाता है और दूसरी ट्रेनों को निशातपुरा, सूखी सेवनिया में रोकना पड़ता है। इन ट्रेनों को दूसरे प्लेटफार्मों पर लेने में भी कई तरह की तकनीकी दिक्कतें होती हैं। इससे अन्य ट्रेनें भी प्रभावित होती हैं। भोपाल रेलवे स्टेशन से होकर कई रूटों पर ट्रेनें निकलती हैं, इसलिए यहां यात्रियों की संख्या काफी ज्यादा है। ऐसे में रेलवे के इस निर्णय से यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

इनोवेशन देता है क्रिएटिविटी का बढ़ावा- डेविड

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट फॉर वूमेन में एंटरप्रेन्योरशिप विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी यूनाइटेड किंगडम के प्रोफेसर डेविड टेलर छात्राओं से मुखातिब हुए। प्रोफेसर डेविड ने सफल बि?नेस बनाने के लिए आवश्यक पहलुओं पर अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने इनोवेशन के महत्व पर बल दिया जो क्रिएटिविटी को बढ़ावा देता है। प्रोफेसर टेलर द्वारा डिज़ाइन की गयी वर्कशॉप ने छात्राओं को उद्यमी की तरह सोचने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। मैनेजमेंट की छात्राओं ने इस वर्कशॉप में सक्रिय रूप से भाग लिया और कई नए आइडिया विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अन्य विशेषज्ञों ने भी छात्राओं का मार्गदर्शन किया और उन्हें उनके विचारों को व्यावहारिक रूप से साकार करने के सुझाव दिए। इस सत्र में छात्राओं ने उद्यमशीलता के सिद्धांतों और बिजनेस शुरू करने के लिए आवश्यक स्किल का अनुभव सीखा। सत्र में अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रीय विकास प्रबंधक जोनाथन विलियम्स, एक्सपर्ट प्राची हजेला, ड्रीम्स ग्लोबल के फाउंडर श्वेता केसवानी एवं दीपक अजमानी उपस्थित थे।

खाद की कालाबाजारी पकड़ी, गोदाम सील

भोपाल. खाद कारोबारियों द्वारा डीएपी और यूरिया की कालाबाजारी की शिकायतें किसानों द्वारा लगातार मिलने पर प्रशासन धरपकड मे जुट गया है। इसको लेकर हाल ही में एडीएम प्रकाश नायक, एसडीएम आशुतोष शर्मा ने किसानों के साथ बैठक कर सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। इसी के तहत बैरसिया एसडीएम ने गौर कृषि सेवा केंद्र पर छापामार कार्रवाई करते हुए गोदाम को सील कर दिया है। यहां कृषि सेवा केंद्र संचालक द्वारा किसानों से एक बोरी डीएपी पर 500 रुपये और यूरिया खाद पर 73 रुपये अधिक लिए जा रहे थे। एसडीएम आशुतोष शर्मा ने बताया कि शिकायत मिली थी कि बैरसिया में नरसिंहगढ़ रोड पर स्थित गौर कृषि सेवा केंद्र पर शासकीय मूल्य से अधिक मूल्य पर खाद बेची जा रही है। इसके बाद करुणा दंडोतिया, वरिष्ठ कृषि अधिकारी पीएस गोयल, पटवारी सुरेंद्र सिंह दांगी के साथ केंद्र पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जहां पर संचालक कमल सिंह गौर के द्वारा डीएपी के तय दाम एक हजार 350 रुपये प्रति बोरी की बजाए एक हजार 850 रुपये लिए जा रहे थे। जबकि यूरिया खाद पर प्रति बोरी 267 रुपये के बजाय 340 रुपये वसूल किए जा रहे थे। प्रकरण दर्ज- ऐसे में खाद की कालाबाजारी करना सही पाया गया, तो कृषि विकास अधिकारी पीएस गोयल की शिकायत पर बैरसिया थाना पुलिस ने संचालक कमल सिंह गौर के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

मेट्रो एंकर

श्रीगुरूनानक देवजी के प्रकाश पर्व पर आस्था, उमंग का उल्लास

संतनगर में प्रभात फेरी, शब्द कीर्तन, लंगर भी हुए

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

श्री गुरूनानक देव जी का 555 वां प्रकाश पर्व मनाया गया। सुबह से देर रात तक दरबारों, आश्रमों में कार्यक्रम चले। सुबह भव्य शोभा यात्रा और पंच प्यारों की अगवाई में नगर कीर्तन निकला। आश्रमों में सत्संग, भजन कीर्तन एवं लंगर हुए। श्री गुरु नानक देव महाराजजी का प्रकाश पर्व 'जिस डिठे सब दुःख जाए गुरुद्वारा मिनी मार्केट' में साध्वी द्रोपदी धनवानी दीदी जी के आशीर्वाद से चल रहे 40वें का समापन कार्तिक भगवान की कथा एवं भोग साहिब के साथ हुआ। गरूद्वारे में पूरे दिन गुरु संगत ने वाहेगुरु सिमरन एवं पाठ साहिब तथा वाहेगुरुजी की भक्ति की। रात में आतिशबाजी करके गुरु नानक महाराज का जन्मदिन मनाया गया।

अमृतवेला ने निकाली प्रभात फेरी

अमृत वेला परिवार ट्रस्ट द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई, जो संतनगर के विभिन्न मार्गों से गुरू पर्व का घोष करते हुए न निकली। प्रभात फेरी में ऊंट की सवारी के अलावा बग्गी एवं डीजे चल रहे थे। फूलों से सजी एक वाहन पर गुरूग्रन्थ साहिब एवं गुरूनानक देव का चित्र सुशोभित हो रहा था। शोभा यात्रा संतनगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जिसका जगह-जगह स्वागत किया गया। ट्रस्ट के धीरज टिलवानी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

दरबारों में सत्संग

सुख सागर दरबार में बाबा रामदास उदासीन का सत्संग हुआ। बाबा रामदास उदासीन ने कीर्तन में गुरूनानक देवजी एवं गुरुग्रन्थ साहिब की पवित्रता व मातृशक्ति का महत्व बताया। भंडारे का भी आयोजन किया गया। दरबार में तड़के शुरू हुआ पर्व रात 1.20 बजे तक चला। बड़े धूम-धाम से मनाया गया। एफ वार्ड स्थित गंगाधाम आश्रम में सुबह प्रकाश पर्व के कार्यक्रम शुरू हुए। महंत स्वामी तुलसीदास कलतारी का सत्संग हुआ। गुरूनानक देवजी जीवन गाथा गीतों में सुनाई गई।

प्रसादी का वितरण

श्री गुरुकृपा सेवा समिति ने गुरुनानक देवजी के जन्मोत्सव पर प्रसाद का वितरण किया। 500 श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। समिति के अध्यक्ष महेश गुरबानी, पार्षद अशोक मारण पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी कांग्रेस उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, बजरंग सेवा समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी व समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

यहां भी हुए आयोजन

- विजय नगर स्थित हरि सेवा दरबार में सुबह 9 से 12 बजे तक शोभा यात्रा का आयोजन किया गया है। दोपहर में सहज पाठ का भोग एवं लंगर हुआ। - सीआरपी वार्ड 4 स्थित सिख समाज की दरबार में गुरूनानक देवजी की जयंती पर सुबह 4 से 7 बजे तक स्मरण, पाठ, सुखमनी एवं 7 बजे शिला पर चोला चढ़ाया गया रात को विशेष कीर्तन हुआ।

राज्यमंत्री गौर ने जरुरी दस्तावेज सौंप सिद्धम को जापान भेजा

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने रतलाम शहर निवासी सिद्धम पाल को बीजा आदि आवश्यक दस्वातेज सौपकर जापान के यामागुची शहर के लिए रवाना किया। सिद्धम पाल का जापान के यामागुची शहर की एक कंपनी में चयन हुआ है। सिद्धम पाल ने भारत सरकार और जापान सरकार के बीच रोजगार के लिए हुए समझौते के आधार पर तैयार टेक्निकल इंटर्न ट्रेनिंग प्रोग्राम ;टीआईटीपीद्ध में चयनित होकर जापान की यामागुची नौकरी प्राप्त की है। सिद्धम पाल 18 नवम्बर को नई दिल्ली से यामागुची जापान के लिए रवाना होंगे। राज्यमंत्री गौर ने कहा है कि प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के युवाओं को विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने की योजना के अंतर्गत रतलाम शहर के सिद्धम पाल को जापान भेजा जा रहा है। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के युवक-युवतियों को रोजगार दिलाने का प्रयास पिछड़ा वर्ग द्वारा जारी रहेगा।

किसान संघ की चेतावनी

खाद, बीज की कालाबाजारी खत्म नहीं की तो सड़कों पर आएगा किसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सरकार लाख दावे कर लें कि मप्र में खाद, बीज का संकट नहीं है। किसानों को आसानी से मिल रही है, लेकिन किसानों के हितों की रक्षा करने वालों का दावा है कि यह सच नहीं है। अब तक इस मामले में सरकार को कांग्रेस ही आईना दिखा रही थी लेकिन अब भारतीय मजदूर संघ से जुड़े भारतीय किसान संघ मध्य भारत प्रांत ने सामने आकर कहा है कि प्रदेश में खाद, बीज का संकट ही नहीं है, बल्कि कालाबाजारी भी हो रही है। यदि इसे खत्म नहीं किया गया तो किसान सड़कों पर आएंगे। एक तरह से उक्त् संघ ने किसानों की बात पर सरकार को घेरा है और उसकी ओर से किए जा रहे खाद, बीज के संकट नहीं होने के दावों पर पानी फेरा है।

सरकार कहती रही कि प्रदेश में कहीं खाद, बीज का टोटा नहीं, इधर भारतीय मजदूर संघ से जुड़े किसान संघ ने ही खोली पोल

भारतीय किसान संघ मध्य भारत प्रांत के अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान ने कमी पर उठाए सवाल

भारतीय किसान संघ की मध्य भारत प्रांत इकाई के अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान ने ये आरोप शुक्रवार पत्रकार वार्ता कर लगाए। उन्होंने दावे किए कि मध्यभारत प्रांत में लगभग सभी जिलों में लगातार यूरिया एवं डीएपी की समस्या आ रही है, सरकार कह रही है कि पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है फिर भी किसानों को उपलब्ध नहीं हो रही है। कई स्थानों पर किसानों को 2-2 दिन तक लाइन लगाने की नौबत पड़ रही है। वहीं कई व्यापारियों के पास दुगने दामों में पर्याप्त खाद उपलब्ध है। कहीं न कहीं मिलीभगत से कालाबाजारी चल रही है। जिसे रोका जाए और किसानों को पर्याप्त मात्रा में बिना लाइन लगे खाद उपलब्ध कराई जाए।

बोनस देने का आश्वासन दिया, लेकिन मिला नहीं

संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि प्रांत में सोयाबीन का भाव निचले स्तर पर चल रहा है। मंडी हो या सोसायटी की खरीदी, प्रत्येक जगह एफएक्यू के नाम पर किसानों को ठगा जा रहा है। संघ ने 6000

रुपये प्रति क्विंटल दाम मांगे थे, लेकिन उपेक्षा की गई। बोनस देने की भी अब तक घोषणा नहीं हुई। किसान संघ की ओर से कहा गया कि पूरे प्रांत में नकली खाद, बीज एवं दवाइयों का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है जिससे किसान बर्बाद एवं भूमि बंजर हो रही है। प्रांत में 50 प्रतिशत तक नकली खाद, बीज, दवाइयां बिक रही है। तब भी माफियाओं पर कार्यवाही नहीं होती।

पीएचडी छात्रवृत्ति के लिए 18 तक आवेदन

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2024-25 के लिए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी (सभी वर्ग) के शोधार्थियों को पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए हैं। इसके अनुसार सत्र के लिए अनुसूचित जाति जनजाति एवं दिव्यांग (दिव्यांग श्रेणी के सामान्य-पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति) के शोधार्थी, पीएचडी शोध छात्रवृत्ति के लिए 18 नवंबर 2024 तक आवेदन पत्र जमा कर सकेंगे। उक्त शोधार्थियों को अपना आवेदन पत्र, संस्था-शोध केन्द्र से अग्रेषित कराकर कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, तृतीय तल सतपुडा भवन, भोपाल में 18 नवंबर तक जमा करना होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर नवीन निर्देश के अंतर्गत उपलब्ध है। जो अनु. जाति जनजाति एवं दिव्यांग के शोधार्थियों को पीएचडी. शोध छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करने के बाबत शीर्षक पर अंकित है।

राजधानी में विभिन्न स्थानों पर हुआ अभाविप की मान वंदना यात्रा का स्वागत

पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई का शासन काल प्रेरणादायक: अशोक पांडे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा 13 नवंबर को महेश्वर से निकली मान वंदना यात्रा अलग-अलग स्थानों से होते हुए शुक्रवार को भोपाल पहुंची। मान वंदना यात्रा लालघाटी होते हुए अभाविप प्रांत कार्यालय पहुंची, जिसका स्वागत करुणा धाम आश्रम के पीठाधीश्वर सुदेश शांडिल्य, भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधायक भगवानदास सबनानी और नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी और अभाविप के कार्यकर्ताओं ने किया। जिसके बाद यात्रा सरोजिनी नायडू महाविद्यालय पहुंची। सरोजिनी नायडू महाविद्यालय में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक अशोक पांडे और भोपाल की महापौर मालती राय उपस्थित रही। अशोक पांडे ने पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई के जीवन का परिचय देते हुए कहा वह ऐसी देवी हैं, जिसने अपने पुत्र और न्याय में से न्याय को चुना। उन्होंने कहा कि पुण्यश्लोक अहिल्याबाई का शासन प्रेरणादायक है। वह जन- जन तक जाना चाहिए। उन्होंने अहिल्या बाई द्वारा निर्माण कराए गए धार्मिक स्थानों पर भी प्रकाश डाला। महानगर मंत्री शिवम् जाट ने बताया कि यह यात्रा 13 नवंबर को महेश्वर से प्रारंभ होकर विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए शुक्रवार को भोपाल पहुंची। जिसका कई स्थानों पर स्वागत किया गया। यह यात्रा 22 तारीख तक अभाविप के 70वें राष्टीय राष्टीय अधिवेशन में गोरखपुर पहुंचेगी।

अहिल्याबाई के सामने कोई नहीं टिक पाया: मालती राय

महापौर मालती राय ने कहा कि इस यात्रा ने सभी को बहुत बड़ा न्याय का संदेश दिया है। उन्होंने बताया कि अहिल्या बाई ऐसी नारी थी जिसके महिलाओं की सेना बनाई थी । उन्होंने स्वयं महिलाओं को प्रशिक्षण दिया था। अहिल्याबाई ऐसी नारी थी जिसके सामने कोई नहीं टिक पाया । उन्होंने कहा हम सभी को ताकतवर बनना पड़ेगा। एवं अहिल्याबाई जी के गुणों को अपने जीवन में उतरना होगा।

पुलिस ने 10 करोड़ से अधिक कीमत के अवैध मादक पदार्थ पकड़े

सीएम के निर्देश पर डीजीपी ने कराई कार्रवाही

भोपाल। पुलिस ने एक ही दिन में 10 करोड़ से अधिक कीमत के अवैध मादक पदार्थों को पकड़ा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ये कार्रवाही डीजीपी सुधीर सक्सेना ने कराई। पुलिस ने अवैध मापदक पदार्थों की जब्ती का विशेष अभियान शुरू किया। महज आठ घंटे में 700 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ जब्त किया।डीजीपी सुधीर सक्सेना ने अवैध मादक पदार्थों के कारोबार की रोकथाम के लिए प्रदेशव्यापी विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई शुरू की। भोपाल, खरगौन, सिवनी, छिंदवाड़ा और नीमच जैसे जिलों के 43 स्थानों पर बड़ी कार्रवाई की। भोपाल में क्राइम ब्रांच ने 8.4 किलोग्राम चरस, खरगौन जिले के चैनपुर में 478 किलोग्राम गांजा, सिवनी जिले के धनौरा में 80 किलोग्राम गांजा, छिंदवाड़ा जिले के कोतवाली थाना में 42.100 किलोग्राम गांजा तथा नीमच के रतनगढ़ थाना में 60 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त कर 18 आरोपियों सहित 6 कार व ट्रक पकड़ा गया। वहीं विभिन्न स्थानों पर 37.58 ग्राम स्मैक, 649 ग्राम ब्राउन शुगर, 60 किलो डोडा चूरा, 61 ग्राम एमडी सहित 56 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अवैध मादक पदार्थों के परिवहन में उपयोग किए जाने वाले 11 वाहनों को जब्त किया। डीजीपी ने कहा कि कई संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर अवैध मादक पदार्थों के कारोबारियों व प्रदेश में मादक पदार्थों के उत्पादन और वितरण में शामिल आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाही करते रहेंगे।

इस्कॉन मंदिर में मुख्यमंत्री ने कहा

गीता जयंती पर होंगे कई कार्यक्रम आयोजित

पटेल नगर स्थित इस्कॉन मंदिर के दीपदान महोत्सव में पहुंचे सीएम

भोपाल। पटेल नगर स्थित भव्य इस्कॉन मंदिर में पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश भर में गीता जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। शुक्रवार को रात में मंदिर गए थे उन्होंने मंदिर में श्री राधावल्लभ के श्रीविग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा और दीपदान महोत्सव में हिस्सा भी लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जन्माष्टमी, विजयादशमी और गोवर्धन पूजा जैसे त्यौहार सरकार और समाज ने मिलकर मनाए हैं। इसी क्रम में राज्य सरकार पूरे प्रदेश में भव्य रूप में गीता जयंती मनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब 20 वर्ष पूर्व उज्जैन में इस्कॉन मंदिर प्रारंभ होने पर उन्होंने स्वामी भक्त निवास के सानिध्य में हुए कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। आज पुनः उनके साथ इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। वे कृपा पूर्वक इंग्लैंड से पधारे हैं। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार उन सभी स्थानों को तीर्थ स्थल बनाएगी, जहां भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े। उन्होंने इस्कॉन मंदिर परिसर में भक्ति लीन बालक कृष्णप्रेम को गोद में उठाकर स्नेह दुलार किया। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर उपस्थित रही।

जातिगत जनगणना की बात कर हिंदुओं को विभाजित करने की साजिश को खत्म करेंगे

विहिप के केंद्रीय महामंत्री बजरंगलाल बागड़ा ने मीडिया से बातचीत में कहा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री बजरंगलाल बागड़ा शुक्रवार को राजधानी भोपाल में थे, उन्होंने जातिगत जनगणना पर विहिप की बात को खुलकर मीडिया के सामने रखा। कहा कि जातिगत जनगणना की बात कर हिंदुओं को विभाजित करने की साजिशें हो रही है, जिसे विश्व हिंदू परिषद खत्म कर देगा। ऐसी किसी साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे। मुंहतोड़ जवाब देंगे। जो भी राजनीति दल या उनके नेता यह साजिश करने में जुटे हैं, उन्हें भी आईना दिखाएंगे। ऐसी साजिश समाज को कमजोर करती हैं और हमें आपस में बांटती हैं। ये घृणित काम नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि विहिप देशभर के प्रांतों में समरसता जागरण यात्रा निकालेगी। जिसमें समाज को एक रहने का संदेश दिया जाएगा। यह यात्रा विभिन्न केंद्रों से होकर गुजरेगी।

मालवा प्रांत में 26 नवंबर से 2 दिसंबर, मध्यभारत में 15 से 22 नवंबर तक यात्राएं निकलेंगी। जिनमें संत समाज व विहिप के कई लोग शामिल होंगे। समरसता का संदेश देने वाली लाखों पत्रिका का वितरण होगा। नुक्कड़ सभा व धर्म जागरण का काम होगा। छुआछूत को को समूल नष्ट करने के लिए जन जागरण का काम भी होगा। उनके इन बयानों की पुष्टि विहिप के प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख जितेंद्र सिंह चौहान ने मीडिया में एक प्रेस विज्ञप्ति भेजकर की है।

जनजातीय समुदाय के योगदान पर 25 नवम्बर तक चलेंगे कार्यक्रम

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर हुई स्कूलों में कार्यक्रमों की शुरूआत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

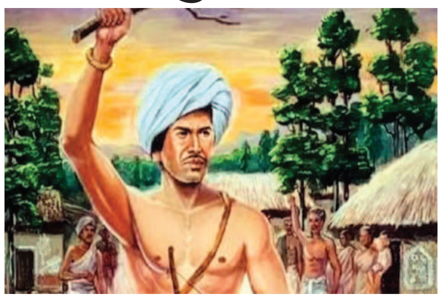

प्रदेश में भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर शुक्रवार से कार्यक्रम की शुरुआत हो गई है। यह कार्यक्रम 25 नवम्बर तक चलेंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को गरिमापूर्ण माहौल में कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जारी किये है। इस दौरान स्कूलों में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित कर बिरसा मुंडा के स्वतंत्रता संग्राम में दिये गये योगदान और स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय समाज द्वारा दिये गये योगदान और उनकी भूमिका पर संगोष्ठी की जायेगी। इसी के साथ उन पर केन्द्रित विशेष मॉडयूल तैयार कराये जायेंगे। बच्चों को जनजातीय संग्रहालयों में शैक्षणिक भ्रमण कराया जायेगा। बच्चों को जनजातीय समुदाय के घरों का भ्रमण कराकर जनजातीय समुदाय की समृद्ध परम्पराओं और जीवनशैली से परिचित कराया जायेगा। स्कूल के बच्चों को जनजातीय समुदाय की संस्कृति, इतिहास, उनके योगदान तथा जनजातियों की समृद्ध विरासत की जानकारी देने के लिये विषय-विशेषज्ञों के व्याख्यान कराये जायेंगे। स्कूल के बच्चों को जनजातीय समाज की समृद्ध परम्परा से अवगत कराने के लिये भित्ति चित्र संबंधी प्रोजेक्ट कराये जाने के लिये शिक्षकों को कहा गया है। इन चित्रों के माध्यम से बच्चों को जनजातीय अंचलों में वन संपदा और वन्यजीवों के बारे में भी जानकारी दी जायेगी।

संपादकीय

कोचिंग गारंटी पर अंकुश

कोचिंग संस्थानों का संजाल और इसका मायाजाल हर दूसरे घर को भरमाए हुए है। इनमें पढ़ने के आकर्षण की मुख्य वजह यही है कि यह संस्थान जोर देकर बताते हैं कि उनके यहां पढ़ाई के बाद अच्छी नौकरियां सबको मिलेंगी। यानि ज्यादातर कोचिंग संस्थान अपने यहां पढ़ाई कर रहे सौ फीसद विद्यार्थियों को नौकरी दिलवाने का वादा करते हैं और इस तरह एक तरह का जाल फेंक कर बच्चों को उसमें उलझा लेते हैं। जबकि सभी जानते हैं कि कोचिंग संस्थानों में हर वर्ष कितने विद्यार्थी पढ़ कर बाहर निकलते होंगे और नौकरी के लिए कितनी सीटें होती हैं। सिमटती सरकारी नौकरियों के दौर में सबको अवसर दिलाने का दावा करना भ्रम फैलाने से कम नहीं है। इसे लेकर पिछले काफी समय से सवाल उठते रहे हैं। अब केंद्र सरकार ने कोचिंग संस्थानों की ओर से कई स्तरों पर भ्रामक प्रचार पर नकेल कसने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत अब 'सौ फीसद चयन' या 'सौ फीसद नौकरी की गारंटी' जैसे दावे करने पर रोक लगाई गई है। दरअसल, यह परंपरा बन गई है कि अपने प्रचार के क्रम में कोचिंग संस्थान जो दावे करते हैं, उसके बारे में किसी तरह की पारदर्शिता का पालन वे नहीं करते। यह स्पष्ट करने की जरूरत उन्हें नहीं लगती कि सीमित अवसरों के दौर में वे सौ फीसद गारंटी का दावा किस आधार पर करते हैं और इसे वे कैसे मुहैया कराएंगे। उनके आंतरिक ढांचे में शिक्षण का प्रारूप, शिक्षकों और उनकी योग्यता का ब्योरा, संसाधन आदि के बारे में पारदर्शिता का निर्वाह उन्हें जरूरी नहीं लगता। मगर अपने संस्थान की ओर आकर्षित करने के लिए जारी विज्ञापनों में बढ़-चढ़ कर झूठे दावे करने में कोई कमी नहीं की जाती। अब नए नियमों के मुताबिक, ऐसे संस्थानों को फीस, अपनी सेवाओं, उसकी गुणवत्ता, शिक्षकों की योग्यता और उनकी विश्वसनीयता आदि के बारे में स्पष्ट रूप से बताना होगा। ताजा दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग संस्थानों पर दस से पचास लाख तक का जुर्माना लगाया जाएगा और लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। यह जाहिर है कि छोटे शहरों से बड़े शहरों में अगर बहुत सारे विद्यार्थी कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने पहुंचते हैं, तो इसके पीछे एक बड़ा कारण इन संस्थानों के भारी-भरकम दावे होते हैं। कई बार किसी बड़े महत्व की नौकरी में कामयाबी हासिल करने वाले अभ्यर्थी को कई संस्थान अपने यहां से पढ़ाई किया हुआ बता देते हैं। इन दावों के प्रभाव में आकर और मोटी फीस चुका कर वहां दाखिला लेकर पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को किसी प्रतियोगिता परीक्षा में चयनित होने का भरोसा दिया जाता और सौ फीसद सरकारी नौकरी की गारंटी दी जाती है। जबकि यह छिपा नहीं है कि देशभर के कोचिंग संस्थानों में हर वर्ष कितने विद्यार्थी प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और सरकारी नौकरियों की उपलब्धता कितनी है। सीमित अवसरों के बावजूद अभिभावक अपने बच्चों को पैसों का इंतजाम करके बड़े शहरों में भेजते हैं, कइयों को जमीन तक गिरवी रखनी या बेचनी पड़ती है या कर्ज लेना पड़ता है। मगर होता यही है कि गिनती के कुछ विद्यार्थियों को कामयाबी मिल पाती है और ज्यादातर को निराशा हाथ लगती है। इससे कैसी पारिवारिक-सामाजिक परिस्थितियां पैदा होती होंगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। देश की कोचिंग राजधानी माने जाने वाले शहर कोटा में पहुंचने वाले बच्चों की क्या हालत होती है, यह कई कई बार जाहिर भी हुआ है। ऐसे में कोचिंग संस्थानों के भ्रम परोसते दावों पर लगाम लगाना सरकार का सही फैसला है, जरूरत यह है कि सरकार इसे कड़ाई से लागू कराए और सतत निगाह रखने का कोई सिस्टम भी विकसित करे।

पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा और सियासत

■ सत्येंद्र प्रताप सिंह

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि चुनाव के वक्त सबसे ज्यादा हिंसा पश्चिम बंगाल में ही होती है। दरअसल, इस राज्य में दंभ के स्वरों की गिनती में हिंसा का शीर्ष स्थान है और हिंसा को हमेशा शक्ति प्रदर्शन की श्रेणी में रखा गया। चाहे वह लोकसभा चुनाव हो या पंचायत चुनाव हो! चाहे आम चुनाव हो या उप चुनाव ही क्यों न हो! चाहे वह प्री पोल वायलेंस हो या पोस्ट पोल वायलेंस! पश्चिम बंगाल में चुनाव और हिंसा की गठरी हमेशा बंधी रही। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े भी हालांकि पूरी तरह सटीक नहीं कहे जा सकते। विपक्षी दल व उसके नेता संख्या इससे ज्यादा बताते हैं। मसलन, एनसीआरबी ने 2018 की अपनी रिपोर्ट में कहा कि पूरे साल के दौरान देश में होने वाली 54 राजनीतिक हत्याओं के मामलों में से 12 बंगाल से जुड़े थे।

इसी बरस केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को एडवाइजरी भेजी। उसमें कहा गया कि पश्चिम बंगाल में हुई राजनीतिक हिंसा में 6 लोग मारे गए साथ ही लगातार होने वाली हिंसा गंभीर चिंता का विषय है। इसके बाद एनसीआरबी की ओर से सफाई आई। ये कहा गया कि उसे पश्चिम बंगाल समेत कुछ राज्यों से आंकड़ों पर स्पष्टीकरण नहीं मिला है। इसलिए उसके आंकड़ों को फ़ाइनल नहीं माना जाना चाहिए। एनसीआरबी की उसी रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 19 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50 हत्याएं 200 में हुईं। जबकि, उस साल अगस्त में सीपीएम ने एक पर्चा जारी कर दावा किया था कि 2 मार्च से 21 जुलाई के बीच तृणमूल कांग्रेस ने 62 काडरों की हत्या कर दी। हिंसा का जहां तक सवाल है, खासकर 2018 पंचायत चुनाव से 2021 के विधानसभा चुनाव तक राज्य में काफी हिंसा देखने को मिलीं। खासकर विधानसभा चुनाव के बाद होने वाली हिंसा और कथित राजनीतिक हत्याओं की घटनाओं ने तो काफी सुर्खियां बटोरी थी। फिलहाल पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी का राज है और विपक्ष की भूमिका में बीजेपी है।

बंगाल की राजनीति में जब 1980-190 में बीजेपी और तृणमूल का अस्तित्व नहीं था तब भी कांग्रेस और वाममोर्चा के बीच हिंसा चरम पर थी। 189 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने विधानसभा में आंकड़ा पेश किया था जिसमें कहा गया है कि 1988-89 के दौरान राजनीतिक हिंसा में 86 राजनीतिक कार्यकर्ताओं की मौत हुई। इनमें 34 सीपीएम के थे और 19 कांग्रेस के। बंगाल की बदहाल स्थिति देख कांग्रेस ने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा और राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग की। ज्ञापन में दावा था कि 1989 के पहले 50 दिनों में कांग्रेस के 26 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई है। पश्चिम बंगाल में 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान 23 राजनीतिक हत्याएं हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़े प्रमाण के तौर पर पेश किए जाते हैं। एनसीआरबी ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि साल 2010 से 2019 के बीच राज्य में 161 राजनीतिक हत्याएं हुई और देश में बंगाल इस मामले में पहले स्थान पर था।

दरअसल, पश्चिम बंगाल देश विभाजन के बाद से ही हिंसा से जूझता रहा। 1979 में सुंदरबन इलाके में बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों के नरसंहार को आज भी राज्य के इतिहास के सबसे क्रूर अध्याय के तौर पर याद किया जाता है। साठ के दशक में उत्तर बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुए नक्सल आंदोलन ने राजनीतिक हिंसा को एक नया आयाम दिया था। किसानों के हो रहे शोषण के विरोध में नक्सलबाड़ी से उठने वाली आवाजों ने उस दौरान पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरी। आंकड़े और किस्से बताते हैं कि 1971 में सिद्धार्थ शंकर रे की कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद राजनीतिक हत्याओं की रफ्तार तेज हो गई थी। 1977 विधानसभा चुनावों में यही उसके पतन का कारण भी बना। सत्तर के दशक में भी वोटरों को आतंकित कर अपने पाले में करने और सीपीएम की पकड़ मजबूत करने के लिए बंगाल में हिंसा होती रही है। 1998 में ममता बनर्जी की टीएमसी का गठन हुआ और यहां से वर्चस्व की एक और लड़ाई आरंभ हुई जिसने हिंसा को एक नया रूप दे दिया। पंचायत चुनावों के दौरान कई इलाकों में भारी हिंसा शुरू हुई। राज्य के विभिन्न इलाकों में बालू, पत्थर और कोयले के अवैध खनन और कारोबार पर वर्चस्व भी पंचायत चुनाव में होने वाली हिंसा की एक प्रमुख वजह है। यह तमाम कारोबार पंचायतों के जरिए ही नियंत्रित होते हैं।

पश्चिम बंगाल में हिंसा और राजनीति एक दूसरे के पूरक हैं। जब भी पश्चिम बंगाल में राजनीति की बात होती है तो पहले वहां की सियासी हिंसा की चर्चा होती है। वहां, हिंसा का नाता चुनाव से नहीं राजनीति से हो गया है। पश्चिम बंगाल में दशकों से राजनीतिक हिंसा का इतिहास है। राजनीतिक हिंसा की शुरुआत नक्सल आंदोलन के साथ हुई। 1960 से 1970 के बीच शुरू हुई नक्सली हिंसा धीरे-धीरे राजनीतिक हिंसा में बदल गई। 1977 में राज्य में लेफ्ट फ्रंट की सरकार आई जो 2011 तक यानी 34 साल तक रही। एक आंकड़े के मुताबिक इन 34 वर्षों के दौरान राज्य में राजनीतिक हिंसा में 30 हजार लोग मारे गए। ममता बनर्जी के नेतृत्व में हुए नंदीग्राम और सिंगुर आंदोलन को पश्चिम बंगाल की सरकार ने जिस हिंसात्मक तरीके से दबाया वो ताबूत में आखिरी कील साबित हुई और 34 साल की सरकार का पतन हो गया।

बहरहाल, 2011 में लेफ्ट सरकार के पतन के बाद लोगों को उम्मीद जगी कि अब सरकार बदलने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पंचायत चुनाव हो या विधानसभा-लोकसभा चुनाव, पश्चिम बंगाल में हिंसा कम नहीं हुई। अब तो बिना किसी चुनाव के भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या और उन पर हमला आम बात हो गई है। जबकि 1977 में कांग्रेस और 2011 में लेफ्ट फ्रंट सरकार की विदाई के पीछे कई वजहों में मुख्य वजह राजनीतिक हिंसा ही थी। ऐसे में आखिर कैसे बदलेगी यह तस्वीर!

(साभार: लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

आज का इतिहास

- 1810- निगवेल हिदाल्गो ने स्पेन से मैक्सिको की आजादी के लिए संघर्ष शुरू किया।
- 1821- मैक्सिको की स्वतंत्रता को मान्यता मिली।
- 1908- जनरल मोटर्स निगम की स्थापना की गई।
- 1947- टोक्यो के सईतामा में चक्रवाती तूफान कैथलीन से 1,930 लोगों की मौत।
- 1975- पापुआ न्यू गिनी ने आस्ट्रेलिया से स्वतंत्रता हासिल की।
- 1995- भारतीय मूल के बासुदेव पाण्डे त्रिनिदाद एवं टौबेगो के प्रधानमंत्री बने।
- 1997- चीन के लोकतंत्र समर्थक नेता जिंग शेंग 18 वर्ष बाद रिहा किये गए।
- 1998- कनाडा ने अपने यहाँ नागरिकता कानून को सख्त बनाया।
- 2000- रूस द्वारा अंतरिक्ष केन्द्र मीर को डुबाने का फैसला।
- 2001- अफ़ग़ानिस्तान हेतु संयुक्त राष्ट्र के 21 सदस्यीय दल में भारत शामिल।
- 2002- मुशर्रफ़ ने पांच साल के दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद की शपथ ली।
- 2006- पाकिस्तान ने मध्यम दूरी के गौरी-ङ्क मिसाइल का सफल परीक्षण किया।
- 2007- बंगाल की खाड़ी से उठे भीषण चक्रवाती तूफ़ान 'सीडर' ने बांग्लादेश में भीषण तबाही मचाई।
- 2008- चन्द्रयान के लूनर लेजर रेंजिंग उपकरण ने सफलतापूर्वक काम करना शुरू किया।
- 2013- वाशिंगटन में बंदूकधारी ने नौसेना के शिविर में 12 लोगों की गोली मारकर हत्या की।
- भारत सरकार ने महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की आधिकारिक घोषणा की।
- 2014- इस्लामिक स्टेट ने सीरियाई कुर्दिश लड़ाकों के खिलाफ युद्ध छेड़ा।
- 1846- अकबर इलाहाबादी - हिन्दुस्तानी तहजीब के बड़े शायर थे का जन्म।
- 1880- अलफ्रेड नॉयस- ब्रिटिश लेखक, कवि और नाटककार का जन्म।
- 1907- शंभू महाराज - कथक के प्रसिद्धि प्राप्त गुरु तथा नर्तक थे का जन्म।
- 1908- बोमिरेड्डी नरसिम्हा रेड्डी- दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध निर्देशक का जन्म।

1920- आर्ट सैनसम - अमेरिकी कॉर्टूनिस्ट का जन्म।

- 1927- श्रीराम लागू- भारतीय सिनेमा और रंगमंच के दिग्गज कलाकार थे का जन्म।
- 1930- मिहिर सेन - भारत के प्रसिद्ध लम्बी दूरी के तैराक थे का जन्म।
- 1931- आर.रामचंद्र राव - भारतीय क्रिकेट अंपायर का जन्म।
- 1943- के. ए. दिनशा - चिकित्सीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला थीं का जन्म।
- 1973- पुलेला गोपीचंद - भारत के प्रसिद्ध शटलर खिलाड़ी का जन्म।

शानदार सफर: इलेक्ट्रीशियन पिता के पास नहीं थे कोचिंग तक के पैसे, बेटा बना क्रिकेट का स्टार

■ विनोद पाठक

दक्षिण अफ्रीका को उसी के घर में तीसरे टी-20 मुकाबले में भारत ने 11 रनों से शिकस्त दी। सांसें थाम देने वाले इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने जोरदार जवाब दिया और भारत के 219 रन के मुकाबले 208 रन तक बना डाले। भारत की जीत के हीरो तिलक वर्मा रहे, जिन्होंने मात्र 56 गेंदों पर नाबाद 107 रनों की पारी खेली। छोटे से करियर में तिलक वर्मा टी-20 के एक स्थापित बल्लेबाज बन गए हैं, जो मैच-दर-मैच खुद के प्रदर्शन को और बेहतर करता चला आ रहा है। 22 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज और सीधे हाथ से ऑफब्रेक गेंदबाज तिलक वर्मा का क्रिकेट का सफर आसान नहीं रहा है। उनकी कहानी बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण है। तिलक वर्मा तेलंगाना के रहने वाले हैं और उनका जन्म हैदराबाद में हुआ। पिता एक मामूली इलेक्ट्रीशियन थे, जिनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वो तिलक को क्रिकेट की प्राइवेट कोचिंग दिला सकें।11 वर्षीय तिलक के पहले कोच सलाम बायश ने ही तिलक की फीस और क्रिकेट के साजो-सामान की व्यवस्था की। बायश स्वयं स्कूटर पर रोजाना 40 किलोमीटर का सफर तय कर तिलक को एकेडमी लेकर जाते थे। फिर तिलक का परिवार बेटे की कोचिंग के लिए एकेडमी के पास शिफ्ट हो गया।

वर्ष 2018-19 में तिलक ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कदम रख दिया था। एक साल बाद वो साल 2020 में अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दक्षिण अफ्रीका खेलने चले गए। वर्ष 2021-22 की सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तिलक दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। सात पारियों में उन्होंने 147.26 के स्ट्राइक रेट से 215 रन बनाए। उनकी प्रतिभा को देखते हुए वर्ष 2022 के आईपीएल ऑक्शन में मुंबई इंडियंस टीम ने तिलक को 1.70 करोड़ रुपए में खरीदा। तभी से वो मुंबई इंडियंस के एक अहम खिलाड़ी बन चुके हैं।

अपने पहले आईपीएल टूर्नामेंट में तिलक में 14 मैचों में 397 रन बनाए, उनका स्ट्राइक रेट 131.02 था। वर्ष 2023 के आईपीएल में उन्होंने अपने प्रदर्शन को सुधारा और 11 मैचों में 343 रन बनाए, उनका स्ट्राइक रेट बढ़कर 164.1 हो गया। वर्ष 2024 के आईपीएल में तिलक ने 13 मैचों में 416 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 149.6 रहा। तिलक वर्मा को टीम इंडिया में टी-20 के अलावा वनडे में भी खेलने का मौका मिला है। उन्हें अगस्त 2023 में टी-20 और सितंबर 2023 में वनडे टीम में शामिल किया गया। वो अब तक चार वनडे में 68 रन, जबकि टी-20 के 19 मुकाबले में 496 बना चुके हैं, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली 107 रन की पारी भी शामिल है। टी-20 में उनका स्ट्राइक रेट 148.05 है, जो बेहद आकर्षक है।

टी-20 में फिलहाल वो विराट कोहली की तीन नंबर वाली पोजिशन पर बल्लेबाजी करने आ रहे हैं। हर मैच के बाद तिलक वर्मा अपनी अलग छाप छोड़ते जा रहे हैं। यह भविष्य का खिलाड़ी है और टी-20 में भारत को ऊंचाई देने वाले खिलाड़ियों में शामिल है। कमाल की बात यह है कि क्रिकेट में ऊंचाइयों को बढ़ रहे तिलक ने पढ़ाई भी जारी रखी है, वो आंध्र यूनिवर्सिटी से बीबीए भी कर रहे हैं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आपके जीवन में भले ही कैसा भी मोड़ आए, मगर आपको अपने जीवन पर हमेशा विश्वास रखना होगा क्योंकि, जीवन में आप जिन समस्या से निकलोगे वही समस्या भविष्य में आपका कवच बनकर आपकी रक्षा करेंगे।

निशाना

है प्रदर्शन काल !

रस्साकस्सी चल रही।
किसको दें कमान ?
सबकी है प्रतिष्ठा।
और सबका सम्मान।।
अपनी-अपनी शक्ति का।
है प्रदर्शन काल।।
कौन कौन है एकजुट।
है बड़ा सवाल।।
खुल रही है कलई।
छिड़ा घमासान।।
सबकी इच्छा बलवती।
छू लें आसमान।।
है भविष्य के गर्भ में।
होगा कब कमाल ?
है बड़ा दिलचस्प।
गलनी किसकी दाल।।

-कृष्णेन्द्र राय

कार्तिक पूर्णिमा पर नर्मदा स्नान करने उमड़ा जनसैलाब, एक लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कार्तिक पूर्णिमा पर हर साल की तरह इस वर्ष भी नर्मदा के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई. पर्व की पूर्व संध्या से ही नगर में श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था जो दूसरे दिन सुबह तक निरंतर जारी रहा. प्रसिद्ध सेठानी घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने की परंपरा को गति प्रदान की.

सेठानी घाट के अलावा मंगलवारा घाट परमहंस घाट विवेकानंद घाट कोरीघाट कोठी बाजार घाट खर्रा घाट सहित अन्य घाटों पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही.

सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों की तैनाती विभिन्न घाटों पर देखी गई. सेठानी घाट पर स्नान करने के दौरान एक श्रद्धालु सीढीयों पर से गिर गया जिसे होमगार्ड के जवानों द्वारा उठाकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया. वही एक श्रद्धालु हार्टबीट की परेशानी के कारण अस्वस्थ हो गया जिसे भी तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया. इस तरह सेठानी घाट पर होमगार्ड की तैनात व्यवस्था से श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली.

कलेक्टर- एसपी ने बोट से रखी नजर

बांद्राभान में नर्मदा तवा संगम पर 1लाख लोगों ने किया स्नान

प्रतिवर्ष कार्तिक की पूर्णिमा पर नर्मदा और तवा नदी के संगम पर लगने वाला बांद्रा भान मेला इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा. बांद्राभान मेले के बारे में कहा जाता है कि यहां एक वानर राजा को वानर आकृति से मुक्ति मिली थी. तभी से यहां हर वर्ष कार्तिक की पूर्णिमा पर मेला लगता आ रहा है. इस वर्ष भी पूर्णिमा की पूर्व संध्या से ही यहां दूर-दूर से आने वाले भक्तों का आगमन शुरू हो गया. पूर्णिमा की प्रभात बेला में श्रद्धालुओं ने संगम तट पर स्नान प्रारंभ किया. दिनभर श्रद्धालुओं द्वारा संगम तट पर स्नान का सिलसिला जारी रहा. मेले में आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा यहां दाल बाटी चूरमा आदि बनाकर नर्मदा मैया को भोग लगाया गया. मेले में ओझा तांत्रिकों द्वारा भी अपनी तंत्र मंत्र साधना का प्रयोग करते हुए तंत्र साधना को अंगीकार किया जाता है कलेक्टर एसपी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने मोटर बोट पर घूमते हुए मेले का जायजा लिया. मेले में अस्थाई रूप से पुलिस चौकी स्थापित की गई. पुलिस द्वारा मेले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पैनी नजर रखी गई।

मोटरसाइकिल पर बैठकर नहर के अंतिम छोर तक पहुंचे कमिश्नर

खंडवा की सीमा पर पहुंचकर सिंचाई विद्युत व्यवस्था का जायजा लिया

नर्मदापुरम संभाग आयुक्त के.जी. तिवारी ने किसानों से विस्तृत चर्चा कर उनकी समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

संभाग आयुक्त के.जी. तिवारी ने गुरुवार को हरदा जिले के दूरस्थ ग्राम पाहनपाट में मोटरसाइकिल पर बैठकर नहर के अंतिम छोर पर स्थित खेत तक जाकर सिंचाई व्यवस्था का जायजा लिया। आयुक्त ने खंडवा जिले की सीमा पर स्थित पाहनपाट ग्राम के किसानों से चर्चा कर विद्युत आपूर्ति और सिंचाई व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के दौरान गांव के किसान राहुल राजपूत ने कमिश्नर को बताया कि उसका खेत नहर के सबसे अंतिम छोर पर स्थित है, फिर भी उसके खेत तक सिंचाई के लिए नहर के माध्यम से पर्याप्त पानी आ रहा है। भ्रमण के दौरान कमिश्नर के साथ संयुक्त आयुक्त जी.सी. दोहर, जल संसाधन के मुख्य अभियंता आर.आर. मीणा, एसडीएम अशोक डेहरिया, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन डी.के. सिंह एवं कार्यपालन यंत्री सोनम वाजपेयी सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी साथ थे।

आयुष्मान कार्ड पंजीयन के संबंध में भी जानकारी ली

कमिश्नर ने ग्राम पाहनपाट में स्थानीय ग्रामीणों से चर्चा कर आयुष्मान कार्ड पंजीयन के संबंध में भी जानकारी ली और समझाया कि हाल ही में सरकार ने 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों को 5 लाख रूपये तक के नि:शुल्क उपचार की सुविधा दी है। किसानों ने कमिश्नर श्री तिवारी को बताया कि सिंचाई के लिये 10 घंटे पर्याप्त बिजली मिल रही है। नहर के टेल क्षेत्र पर स्थित ग्राम लोधियाखेड़ी के किसानों ने उन्हें बताया कि 4 नवम्बर से नहर में लगातार पानी आ रहा है। किसान द्वारकाप्रसाद गौर, राहुल, जीवनराम गौर, दीपक सारण ने कमिश्नर तिवारी को बताया कि सिंचाई के लिये नहर से भरपूर पानी मिल रहा है और सिंचाई तथा विद्युत विभाग के अधिकारी किसानों को भरपूर सहयोग कर रहे है। ग्राम चैकड़ी के किसानों ने कमिश्नर तिवारी को शिकायत कर कहा गांव का उप स्वास्थ्य केन्द्र अक्सर बंद रहता है.उन्होने एसडीएम को जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिये।

कमिश्नर तिवारी ने ग्राम छिदगांव मेल में नहर से सिंचाई व्यवस्था का निरिक्षण किया. और उपस्थित उन्होने ग्राम कांकरिया में किसानों से चर्चा कर नहरों से सिंचाई व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। ग्राम कांकरिया के किसानों ने कमिश्नर श्री तिवारी को बताया कि टेल क्षेत्र के किसानों को पानी नहीं मिल रहा है, ईस बात पर उन्होने कार्यपालन यंत्री डी.के. सिंह को निर्देश दिये कि ओसराबंदी व्यवस्थित तरीके से लागू कर नहर के अंतिम छोर पर स्थित खेत तक पानी पहुँचाएं। मसनगांव के किसानों ने कमिश्नर तिवारी से अनुरोध किया कि उनके गांव को शहीद ईलाब सिंह सिंचाई परियोजना में शामिल किया जाए तो आसपास के गांवों के किसानों के खेतों की सिंचाई व्यवस्था सुधर जाएगी। कमिश्नर श्री तिवारी ने किसानों से विद्युत आपूर्ति और खाद की उपलब्धता के संबंध में भी पूछताछ की। उन्होने किसानों को बैंक खातों की आधार सिडिंग कराने के लिये कहा ताकि पीएम किसान व अन्य योजनाओं में राशि सीधे खाते में जमा हो सके।

राजस्व महा अभियान 3.0 के बारे में ग्रामीणों को बताया

कमिश्नर तिवारी ने किसानों को राजस्व महा अभियान 3.0 के बारे में जानकारी दी। उन्होने उपस्थित ग्रामीणों से कहा कि सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये आवेदन दें, आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जाएगा। खण्डवा जिले की सीमा पर स्थित ग्राम पाहनपाट के किसानों ने नहर के पास स्थित पेड़ कटवाने की मांग की ताकि खेतों तक जाने वाला मार्ग चैड़ा किया जा सके। किसानों ने बताया कि एक तरफ नहर और दूसरी तरफ पेड़ होने से मार्ग संकरा है, जिससे ट्रेक्टर व अन्य कृषि यंत्र खेतों तक नहीं पहुँच पाते हैं, जिस पर कमिश्नर तिवारी ने एसडीएम अशोक कुमार डेहरिया को किसानों की समस्या के निराकरण के निर्देश दिये।

कन्या छात्रावास में जनजाति गौरव दिवस मनाया

'भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श प्रेरणादायक है'

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नेहरू युवा केंद्र के तत्वाधान में गत दिवस जनजातीय सीनियर कन्या छात्रावास में जनजाति गौरव दिवस मनाया गया। कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी श्रीमति मोनिका चौधरी की उपस्थिति में हुआ. उन्होंने सभी विद्यार्थिओं को जनजाति गौरव दिवस की बधाई दी ।इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसन्न हर्णे ने कहा कि जनजातीय समाज द्वारा मानव समुदाय, वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं को समान महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज में व्यक्ति के स्थान पर समूह को, प्रतिस्पर्धा की जगह सहयोग को और विशिष्टता की जगह समानता को अधिक महत्त्व दिया जाता है। जनजातीय समुदायों के विकास के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि समग्र राष्ट्रीय विकास और जनजातीय समुदाय का विकास एक दूसरे से जुड़े हुए हैं । विशिष्ट अतिथि डॉ. दिनेश श्रीवास्तव ने जनजातीय समाज की मातृभूमि के प्रति निष्ठा, त्याग और वीरता को भारत की अखंडता का प्रतीक बताया और भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को प्रेरणादायक बताया। वही कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियां भी की गई । विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । कार्यक्रम में जनजाति वेशभूषा में नृत्य किया गया। वहीं कार्यक्रम में श्रीमती रक्षा श्रीवास्तव, श्रीमती सुमन केसरिया, श्रीमती संगीता मेहरा की उपस्थिति में हुआ। वही कार्यक्रम में युवा साथी जुगल किशोर, सचिन खरे ,भजन भल्लवी , प्रशांत मेहरा एवं सैकड़ो छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार नेहरू युवा केंद्र नर्मदापुरम की जिला युवा अधिकारी श्रीमती मोनिका चौधरी एवं साहिल तिलोटिया ने किया।

एसडीएएम कॉलेज के छात्र वालीबॉल प्रतियोगिता में रहे उपविजेता

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय वालीबॉल पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन एनईएस शिक्षा महाविद्यालय में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रबंधक अरुण शर्मा एवं पंडित रामलाल शर्मा शिक्षा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर प्रिंस जैन ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता में जिले की 6 टीमों ने भाग लिया। जिसमें शासकीय नर्मदा महाविद्यालय , शासकीय महाविद्यालय हरदा , कुसुम महाविद्यालय सिवनी मालवा, एमजीएम इटारसी, एसडीएम सिवनी मालवा एवं एन ई एस शिक्षा महाविद्यालय नर्मदापुरम की टीमों ने भाग लिया।

रोगी कल्याण समिति की बैठक हुई, राशि जमा नहीं करने वाली दुकानें सील होंगी

इटारसी, दोपहर मेट्रो

स्थानीय डॉक्टर श्याम प्रसाद मुखर्जी अस्पताल में रोगी कल्याण समिति की बैठक का आयोजन हुआ।बैठक विधायक डॉक्टर सीतासरन शर्मा की उपस्थित में हुई।इस अवसर पर जिला चिकित्सा अधिकारी दिनेश देहलवाल,नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चोरे, तहसीलदार सुनीता साहनी,रोगी कल्याण समिति के भरत वर्मा,भाजपा नेता जयकिशोर चौधरी,महिला भाजपा अध्यक्ष ववित‌ा चौहान एवं अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर आर.के.चौधरी भी मौजूद रहे।

बैठक में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा था कि रोगी कल्याण समिति से निर्माण की कई दुकानों का किराया दुकानदारों द्वारा लंबे समय से जमा नही किया गया।दुकानदारों के ऊपर 50 हजार रुपये से ज्यादा का किराया शेष बचा है।जिसको लेकर विधायक शर्मा ने कहा कि दुकानदारों से किराया जमा कराया जाये, एक सप्ताह के भीतर जमा करने का नोटिस दिया जाये, इसके बाद भी किराया जमा नही होता है तो ऐसे दुकानदारों की दुकानों को सील किया जाये। इसके अलावा अस्पताल की सड़क खराब हो गई है।जिसपर डामरीकरण होना है।इस विषय नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चोरे ने कहा कि जल्द ही सड़क पर डामरीकरण कराया जायेगा।

सरस्वती शिशु मंदिर में रंगोली और निबंध स्पर्धा आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में एवं अध्यक्ष/प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में एवं श्रीमती शशि सिंह, सचिव / जिला न्यायाधीश के निर्देशन एवं सुश्री नुरूनिशा अंसारी सिविल जज जूनियर डिवीजन पाण्डेय, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड नर्मदापुरम के आतिथ्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर में बाल दिवस के उपलक्ष्य में विधिक साक्षरता शिविर एवं रांगाली, निबंध एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। उक्त शिविर में उपस्थित न्यायाधीश सुश्री नुरूनिशा अंसारी एवं सुश्री अदिति मण्डलोई द्वारा नालसा एवं सालसा की

मेट्रो एंकर मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर बाल दिवस पर खेलकूद एवं चित्रकला प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

मानसिक विकलांग व्यक्तियों के लिए विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में एवं अध्यक्ष / प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में एवं श्रीमती शशि सिंह, सचिव / जिला न्यायाधीश श्रीमती रूचि पाण्डेय, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड नर्मदापुरम एवं सुश्री स्वाति कौशल, सिविल जज जूनियर डिवीजन के आतिथ्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बाल दिवस के उपलक्ष्य में चित्रकला एवं खेलकूद प्रतियोगिता एवं नालसा की मानसिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये विधिक सेवा योजना 2024 के अंतर्गत विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती शशि सिंह द्वारा डॉ. एनीबेसेंट मानिसक विशेष विद्यालय में आयोजित शिविर में विद्यालय के विशेष बच्चों द्वारा नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति एवं खेलकूद की प्रतिभा को देखकर कहा कि ÷विशेष बच्चों में कुछ विशिष्ट योग्यतायें प्रदान करते है ईश्वर÷ मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा नई दिल्ली द्वारा मानसिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये विधिक सेवा योजना 2024 के संबंध में विस्तार से बताया गया कि विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम,

1987 की धारा 12 के तहत वह व्यक्ति जिन्हें अशक्त व्यक्तियों (समान अवसर, अधिकारों की रक्षा और पूर्ण सहभागिता) अधिनियम, 1995 के तहत परिभाषित किया गया है और जिन्हें मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 1987 की धारा 2 के खंड (फ) के अर्थ में मनोचिकित्सक अस्पताल अथवा मनोचिकित्सक नर्सिंग होम में रखा गया है, विधिक सेवाओं के हकदार हैं। इसलिए नालसा (ह्रस्) ने विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 4(ड्ढ) के अंतर्गत सशक्त अपने अधिकार से मानसिक रोगी और मानसिक अशक्तताग्रस्त व्यक्तियों को प्रभावशाली विधिक सेवाएं प्रदान करने के लिए वर्ष 2010 में एक योजना बनाई थी। इसी पृष्ठभूमि में मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं मानसिक रूप से अशक्त व्यक्तियों के लिए विधिक सेवा की नई योजना नालसा मानसिक रूप से बीमार और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विधिक सेवाऐं योजना, 2024 बनाई गई है÷ इस योजना में मानसिक रूप से अस्वस्थ और विकलांग व्यक्तियों के साथ व्यवहार करते समय कानूनी सेवा संस्थानों द्वारा पालन किए जाने वाले नए दिशानिर्देश

जीनियस प्लानेट मे मना बाल दिवस

इटारसी। जीनियस प्लानेट सीनियर सेकंडरी स्कूल मे बाल दिवस के साथ साथ गुरुनानक देव की जयंती क़ो भी सेलिब्रेट किया गया। गुरुनानक देव की जयंती सेलिब्रेट करने के लिए स्कूल के म्यूजिकल ग्रुप द्वारा म्यूजिक टीचर्स के मार्गदर्शन मे शबद और कीर्तन की प्रस्तुति दी। स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा गुरुनानक देव जी के जीवन का परिचय और उनके द्वारा सिखाई गई सिखावानीयों क़ो अपने शब्दों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम में स्कूल स्टॉफ के साथ नरिंदार कौर मैडम का विशेष योगदान रहा द्य इस कार्यक्रम की विशेषता यह रही की स्कूल के किंडर सेक्शन के नन्ने मुन्ने पंजाबी वेशभूषा में आये।

बिरसा मुंडा जयंती कार्यक्रम में उमाकांत शर्मा बोले

भगवान बिरसा मुंडा ने दी अन्याय अत्याचार से लड़ने की प्रेरणा

■ बिरसा मुंडाबली जयंती के मौके पर सहरीया समाज के परिवारों को कराया आवास योजना से ग्रह प्रवेश, सुना प्रधानमंत्री का भाषण

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

आदिवासी समाज के प्रेरणापुंज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती कार्यक्रम आदिवासी बाहुल्य बस्ती समाजजनों के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विकासखंड की पंचायत नरखेड़ा जागीर के आदिवासी बाहुल्य गांव शंकरगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा ने शामिल होकर यहां निवास करने वाली सहरिया जनजाति समाज के नागरिक परिवारों के साथ सामूहिक रूप से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाइव प्रसारण को भी सुना। इस दौरान उन्होंने गांव के प्रत्येक परिवार को मिले प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित हितग्राहियों का ग्रह प्रवेश भी कराया।

इस अवसर पर समारोहपूर्वक आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि अल्प आयु में आदिवासी समाज,जनजाति समाज के कल्याण का ईश्वरीय काम करने वाले भगवान बिरसा मुंडा सदैव हमारे आदर्श रहें हैं उन्होंने अन्याय एवं अत्याचार तथा भेदभाव के प्रति संघर्ष करने का हमें सन्देश दिया हैं। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा एक ऐसे शूरवीर थे जिन्होंने अल्प आयु में ही समुचि आदिवासी समाज में चेतना का संचार कर दिया था हमें उनसे प्रेरणा लेना चाहिए।

विधायक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आदिवासी समाज के लिए तन मन धन से समर्पित हैं उन्होंने आदिवासियों के उत्थान के लिए ढेरो योजनाएं संचालित की हैं। भारतीय जनता पार्टी की नरेंद्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव जी की सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक आदिवासी भाई को अपना पक्का घर, हर घर में बिजली पानी, शौचालय की व्यवस्था करेंगे तथा आदिवासी बहुल्य प्रत्येक गांव को पक्की सडक से जोड़ेंगे। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वालित कर कन्या पूजन के साथ किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाब सिंह, जनपद अध्यक्ष पुष्पा यादव, पूर्व जनपद अध्यक्ष हमीर सिंह यादव, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष जितेंद्र बघेल, जिला पंचायत सदस्य नीलम यादव, सरपंच रामचरण श्रीवास्तव, जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव,मंडल अध्यक्ष चरण सिंह राजपूत, छोटू श्रीवास्तव, प्रताप लोधी, संतोष शर्मा सहित कार्यकर्तागण जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी एवं सहरिया समाज के नागरिकगण उपस्थित रहे।

खाद्यान पर्ची, आयुष्मान कार्ड, तथा बच्चों की पढ़ाई का पुरा इंतजाम करने के लिए हम संकल्पित है

पंचायत नरखेड़ा जागीर की आदिवासी बस्ती शंकरगढ़ में सहरिया जाति के लोग ही निवास करते हैं उन्ही के लिए हाल ही में इकतालीस प्रधानमंत्री आवास बनकर तैयार हुए हैं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम में शामिल विधायक उमाकांत शर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने इन आदिवासी शहरिया समाज के हितग्राहियों का धूमधाम के साथ गृह प्रवेश कराया। इस दौरान नवनिर्मित सभी प्रधानमंत्री आवासों की लिपाई पुताई कराकर आकर्षक रंगोलियों से सुसज्जित किया गया था सभी मकानों को मंगल बंदनवारों से सुशोभित थे। भाजपा की सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण को सुनकर एवं अपने बीच विधायक एवं जनप्रतिनिधियों की प्रत्यक्ष उपस्थिति से सहरिया समाज के नागरिक प्रफुल्लित दिखाई दिए उन्होंने अपनी पीड़ित शोषित समाज के लिए काम कर रही केंद्र की मोदी सरकार को साधुवाद भी ज्ञापित किया।

95 वर्ष की आदिवासी बुजुर्ग महिला को बनाया मुख्य अतिथि

मंचीय कार्यक्रम के दौरान विधायक शर्मा ने आदिवासी समाज की 95 वर्ष की बुजुर्ग महिला कोमलबाई को मुख्य अतिथि के तौर पर बैठाकर साफा बांधकर सम्मान किया एवं पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने अन्य सभी बुजुर्गों का साफा,माला पहनाकर,शाल उड़ाकर सम्मानित कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान विधायक शर्मा ने कहा कि ग्राम नरखेड़ा जागीर से शंकरगढ़ तक की बस्ती के लिए प्रधानमंत्री सडक योजना से डीपीआर बनाकर भेजा जा चुका है बहुत जल्दी इस गांव के लिए पक्की सडक का निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। उन्होंने मौके पर उपस्थित मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित सभी अधिकारियो को निर्देशित किया कि सभी जन हितैषी योजनाओं से एक भी परिवार वंचित नहीं रहना चाहिए अन्यथा दोषी अधिकारी कर्मचारियों को बक्शा नहीं जायेगा।

प्रकाश पर्व के रूप में मनाई गुरुनानक जयंती गुरुद्वारे में हुए आयोजन

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

सिख समाज के गुरु आराध्य देव गुरुनानक जयंती प्रकाश पर्व के रूप में मनाई गई। राजजी पथ स्थित गुरुद्वारे में समाजजनों के साथ शहरवासियों ने विशेष अरदास लगाते हुए संगत की। गुरुनानक जयंती के अवसर पर समाज के नागरिकों एवं माता बहिनों ने मिलकर प्रभात फेरी निकाली इसके उपरांत गुरुद्वारे में गुरुग्रंथ साहिब के विशेष पाठ,प्रवचन एवं भजन कीर्तन हुए। इस दौरान गुरुद्वारे में सुबह से ही समाजसेवी संगठनों के कार्यकर्ताओं सहित दर्शनार्थियों की भीड़ देर शाम तक उमड़ती रही। दोपहर को नपाध्यक्ष मनमोहन साहू सहित भाजपा नेताओं भी गुरुद्वारे पहुंचकर शहर के नागरिकों की कुशलता की अरदास लगाई। इस अवसर पर समिति द्वारा लंगर की प्रसादी का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मनोज शर्मा,सुमंत मित्तल,सचिन शर्मा,रिंकू यादव,बलजीत यादव,जयनारायण सेन,संतोष रघुवंशी,राहुल मंगल,राजू रिछारिया,भूपेश शर्मा सहित अनेक समाजसेवी बंधु उपस्थित रहे।

हरिहर मिलन के साथ कार्तिक को हुआ समर्पण, मन मोहक दृश्य देखने उमड़े श्रद्धालु

सिरोंज। कार्तिक महोत्सव बड़ी ही भक्ति भाव से मनाया जा रहा है वह चार मिलन के साथ एक महीने से चल रहे आयोजन का भी समापन हो गया। त्रिपुरा सुंदरी घाट एवं मदन मोहन सरकार मंदिर पर भक्ति भाव से आयोजन हो रहे थे पंचकुइयों घाट पर बड़े ही उत्साह के साथ कार्तिक महोत्सव मनाया। पंडित नलिनी कांत शर्मा के मार्गदर्शन में सुबह-शाम स्नान पूजन के बाद आयोजन होते हैं। शाम के समय दीपदान होता है गुरुवार को पंचकुइयों घाट गंगापूजन के उपरांत दीपदान इसके बाद हरी से हार का मिलन हुआ यह मनमोहक दृश्य देखते ही बन रहा था हरी की भक्ति में लीन होकर हरि की पालकी लेकर से श्रद्धालु चल रहे थे। जगह-जगह पूजा अर्चना हुआ वही श्री मदन मोहन सरकार मंदिर पर हरी से हार के मिलन के बाद आरती फिर प्रसादी का वितरण हुआ। दूसरी और घाट पर दीपदान करने लिए लिए सैकड़ो की संख्या में भक्त जन पहुंचे। प्राचीन काल से मान्यता है की कार्तिक मास के महीने में प्रात:काल उठकर स्नान-ध्यान और श्रद्धा भाव से पूजन दीपदान करने से भगवान की विशेष कृपा होती है।

सिरोंज के ग्राम राजीखेड़ी से 29 हजार की अवैध मदिरा जप्त

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में आबकारी विभाग द्वारा जिले की सीमा क्षेत्रों में अवैध मदिरा के क्रय विक्रय व परिवहन पर सतत नजर रखी जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही ने बताया कि विभाग में एक पृथक से प्रकोष्ठ गठित कर सहायक आबकारी अधिकारी मुकेश मौर्य को नोडल नियुक्त किया गया है। गुप्त प्राप्त सूचनाओं के आधार पर उक्त प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा कार्यवाहियों को मुर्तरूप दिया जा रहा है। इसी कड़ी के तहत संपादित किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए सहायक आबकारी अधिकारी श्री मौर्य ने बताया कि विदिशा जिले के वृत्त सिरोंज के अंतर्गत मुखबिर की सूचना पर ग्राम राजीखेड़ी में अभियुक्त लक्ष्मण सिंह दांगी के रिहायशी मकान से विधिवत तलाशी लेने पर 6 कागज के कार्टून में भरे कुल 292 पाव (52.5 ब.ल) अवैध देसी मसाला मदिरा बरामद की गई।जिसे कब्जे आबकारी लेकर आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क, 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। सहायक आबकारी अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि जब्तशुदा मदिरा का बाजार मूल्य 29 हजार 200 रुपये लगभग आंकलित की गई है। उक्त समस्त कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षक संजय इवने, आबकारी आरक्षक मनोज नामदेव, एवम नीरज रघुवंशी का का सराहनीय योगदान रहा।

दबंगों के अतिक्रमण से मुक्त कराई भूमि पशु निस्तारण हेतु चिह्नित

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में राजस्व अधिकारियों द्वारा जिले में विभिन्न प्रकार की शासकीय भूमियों अतिक्रमण हटाने के कार्यो को मुर्तरूप दिया जा रहा है। इसी कड़ी के तहत बासौदा एसडीएम श्री विजय राय के द्वारा सड़कों पर बैठने वाले पशुधन को सुरक्षित आसरा देकर नवाचार किया है। उन्होंने बताया कि तहसील बासौदा ग्राम अंबानगर स्थित शासकीय भूमि सर्वे नंबर 197 रकबा 1.003 हे0 पर दबंगों द्वारा अतिक्रमण किया गया था और भूमि पर फसल बोकर कब्जा किया गया था।जिसे विमुक्त कराई गई थी। पर वर्तमान में भूमि पर चने की फसल बोने की तैयारी की जा रही थी। उक्त भूमि को अंबानगर चौराहे पर बैठने वाले गौवंशों के लिये

सड़कों पर बैठने वाले गौवंश को स्थाई आसरा मिला

सुरक्षित रखे जाने के प्रस्ताव पर प्रशासन द्वारा नियमानुसार तहसील स्तरीय दल द्वारा सूचना पत्र जारी कर जरीब द्वारा सीमांकन किया गया और चूने से मार्किंग की गई तथा मेढ़िया कृषकों को शासकीय भूमि सर्वे नंबर 197 रकबा 1.003 हे0 की सीमायें समझाई गई एवं तार फेंसिंग कर चौरे गढ़वाये गये। ग्राम अंबानगर स्थित भूमि सर्वे नंबर 197 रकबा 1.003 हे0 शासकीय भूमि सुरक्षित होने से चौराहे पर जो गौवंश बैठते थे उन्हें अस्थाई गौशाला मिल गई और गौवंशों के रोड पर बैठने से दुर्घटना में घायल होने से गौवंशों को राहत मिलेगी एवं बरसात, सर्दी से बचा जा सकेगा। अस्थाई गौशाला होने से

पशुओं को भूसा एवं पानी की व्यवस्था भी पंचायत द्वारा की जायेगी। ग्राम अंबानगर स्थित भूमि सर्वे नंबर 197 रकबा 1.003 हे0 भूमि को चूने से मार्किंग एवं चौरे गढ़ाये गये यह भूमि ग्राम पंचायत को सुपुर्दगी में दी गई है।

अंबानगर क्षेत्र के आसपास के ग्रामों में गौ रक्षा समिति संचालित होती है जिनके द्वारा समय समय पर गौवंश को सुरक्षित रखने हेतु पत्र एवं ज्ञापनों के माध्यम से शासन को अवगत कराया जाता है। गौ रक्षा समिति ग्राम अंबानगर तहसील बासौदा एवं ग्रामीणों की अंबानगर चौराहे पर बैठने वाले गौवंश की समस्याओं एवं ज्ञापन पर कार्यवाही की जाकर कलेक्टर के मार्गदर्शन में बासौदा एसडीएम विजय राय, तहसीलदार संदीप जायसवाल अतिरिक्त तहसीलदार, श्रीमती सविता पटेल हल्का पटवारी सचिन बघेल द्वारा ग्राम अंबानगर स्थित शासकीय भूमि का चिन्हांकन किया गया।

विदिशा कृषि उपज मंडी परिसर में हटाया अतिक्रमण

विदिशा कृषि उपज मंडी समिति के नवीन मंडी प्रांगण मिर्जापुर के मुख्य एवं पिछले द्वार से लगी भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने का कार्य मंडी के द्वारा ही संपादित किया गया है। विदिशा कृषि उपज मंडी की सचिव श्रीमती नीलकमल वैद्य ने बताया कि मंडी के मुख्य द्वार की दुकानों एवं शेष रिक्त भूमि पर हुए अतिक्रमण तथा कृषि उपज मंडी के पिछले गेट जिसे सौरई गेट के नाम से जाना जाता है के आस- पास हुए अस्थाई अतिक्रमण को मंडी के सहायक यंत्री आरपी साहू, उप यंत्री सुल्ताना, मंडी के सहायक उप निरीक्षक एवं अधिकारियों के द्वारा प्रभावशाली कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण को हटाया गया है वहीं कच्चे निर्माण को तीन दिवस में हटाने के साथ ही दुकानों के सामने साफ सफाई रखने के निर्देश दिए गए है।

विद्युत लाइनमेन की कार्यप्रणाली से ग्रामीण परेशान

सिरोंज। भोरिया के विद्युत फीडर पर पदस्थ लाइन मेन लक्ष्मण धाकड़ की कार्यप्रणाली से ग्रामीण परेशान हैं।लाइन मेन ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते नहीं हैं और नहीं कोई हल निकालते।किसान स्वराज नायक ने बताया की इन दिनों रबी फसल की बोवनी का समय चल रहा है।ऐसे में किसानों को खेतों में पानी देने के लिए पर्याप्त बिजली की आवश्यकता होती है। परंतु लाइन मेन द्वारा अवैध रूप से बिजली कटौती की जा रही है।ऐसे में किसानों को काफी परेशानी का

सामना करना पड़ रहा है।कई बार लाइन में फाल्ट हो जाता है ऐसे में ग्रामीण लाइन मेन को समस्या बताते हैं तो वे कोई सुनवाई नहीं करते।मामले में विद्युत विभाग के ए ई राजीव रंजन ने कहा की वे जांच कराकर नियम अनुसार कार्रवाई करेंगे।

फरार आरोपी की सूचना देने वाले को इनाम की घोषणा

सिरोंज। विदिशा पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने थाना दीपनाखेड़ा विदिशा में दर्ज अपराध के फरार आरोपी की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए तीन हजार रूपए नगद इनाम देने की घोषणा की है। थाना दीपनाखेड़ा में दर्ज अपराध प्रकरण क्रमांक 155/2024 का फरार आरोपी पवनेश पुत्र रघुवीर खटीक उम्र 40 साल निवासी कृष्णा कंपनी संचालक ए-151 शिवशक्ति नगर सब्जी कड़ी के पास भोपाल (मप्र0) की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए तीन हजार रूपए का नगद इनाम घोषित किया गया है। सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

मेट्रो एंकर

विद्यालयों में सुरक्षा के संबंध में जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई, कलेक्टरों ने स्कूल संचालकों को सुरक्षा सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे क्रियाशील रहें, बेहतर शौचालय प्रबंध, बसों-चालकों का सत्यापन हो

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले के विद्यालयों में सुरक्षा के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों से अवगत कराने के उद्देश्य से आज उ.मा.वि.हाईस्कूल, सीबीएसई बोर्ड के स्कूल संचालकों और प्राचार्यों की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विद्यालय में सुरक्षा के संबंध में स्कूल संचालकों और प्राचार्यों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहा कि विद्यालयों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से जो भी आवश्यक प्रबंध हैं वह सुनिश्चित कराए जाएं। स्कूल परिसर में सीसीटीव्ही कैमरे अवश्य लगे हों। यह भी सुनिश्चित करें कि कैमरे बंद ना हो कैमरा 24 घंटे क्रियाशील रहें। स्कूल परिसर के साथ-साथ स्कूल के बाहर के रास्तों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखा जाए। सीसीटीवी कैमरों की सतत निगरानी की जाए, इसके लिए एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था भी हो। विद्यालयों में शौचालय में भी बेहतर प्रबंध हों, स्कूलों में बच्चों को लाने ले जाने वाले वाहन चालकों का सत्यापन भी करा लें। उन्होंने बीना में एक बच्ची के खुली वैन से गिरने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को रेखांकित करते हुए कहा कि विद्यालय प्रबंधन यह सुनिश्चित कराएं कि बच्चों को स्कूल छोड़ने वाली स्कूल वैन पीछे से खुली ना हो। बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से यह बिंदु बेहद ही आवश्यक है।

कलेक्टर श्री सिंह ने सुरक्षा के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों के संबंध में भी जानकारी दी की बच्चे हमारी

भावी पीढ़ी हैं, देश का भविष्य हैं। बच्चे भविष्य में एक अच्छा नागरिक बनें इस उद्देश्य से शिक्षकों द्वारा बच्चों को अपने मौलिक कर्तव्यों से भी अवगत कराया जाए। जैसे कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना, अपने परिजनों को अवगत कराना कि वह वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें सहित अन्य बिंदुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसके अलावा उन्होंने स्कूल सिलेबस, यूनिफॉर्म सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री के संबंध में किसी विशेष संस्था या दुकान से शैक्षणिक सामग्री क्रय करने के लिए ना कहा जाए के संबंध में भी अवगत कराया।

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने स्कूल संचालकों और प्राचार्य को अवगत कराते हुए कहा कि स्कूलों में बच्चों को लाने ले जाने वाले स्कूल वाहनों के बस ड्राइवर, केयरटेकर का पुलिस वेरिफिकेशन अवश्य हो इन सभी के संपर्क नंबर भी रिकॉर्ड में दर्ज किए जाएं। विद्यालयों के बाहर यदि असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगता हो तो इस संबंध में पुलिस, प्रशासन को अवगत कराएं। विद्यालय में सतत निगरानी के संबंध में सीसीटीवी आवश्यक रूप से लगे हों, सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था हो। पूरे कैंपस में कोई भी ब्लैक स्पॉट ना रहे। सभी स्थलों पर प्रकाश के पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित हों का भी विशेष ध्यान रखें। उन्होंने स्कूल भवन, कक्षाओं शौचालय, सहित अन्य कक्षों का विद्यालय की छुट्टी होने के उपरांत आवश्यक रूप से जांच लिया जाए तथा विद्यालय खुलने के पहले भी इन सब की जांच की जाए। स्कूल भवनों में छात्र-छात्राओं, समस्त स्टाफ, की आपातकालीन निकासी की व्यवस्था का विशेष ध्यान रखें। विद्यालय के समस्त स्टाफ को आईडी कार्ड दिए जाएं। वाहनों की फिटनेस सर्टिफिकेट, बीमा सुरक्षा कागज, परमिट, ड्राइवर लाइसेंस इत्यादि पूर्ण हो। वाहनों में विद्यालय का नाम नंबर पता अवश्य दर्ज हो। साथ ही वाहनों में प्राथमिक उपचार की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई। इसके अलावा विद्यालय में हेल्पलाइन नंबर, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर, साइबर अपराध, पॉक्सो एक्ट, जेजे एक्ट इत्यादि की जानकारी से भी अवगत कराया जाए। पुलिस लाइन स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित इस बैठक में अशासकीय विद्यालयों के संचालकों तथा प्राचार्यों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए समस्याओं से अवगत कराया जिस पर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने समस्याओं को संज्ञान में लेकर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

दिशा-निर्देश - सीसीटीवी कैमरे विद्यालय और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

ऑस्ट्रेलिया में 36 साल बाद 5 टेस्ट खेलेगा भारत, पर्थ में जीत की तलाश

22 नवंबर को ऑप्टस स्टेडियम में सीरीज का पहला मैच होगा

नईदिल्ली. एजेंसी

टीम इंडिया 36 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट की सीरीज खेलने के लिए पहुंच चुकी है। भारत ऑस्ट्रेलिया के पांचों प्रमुख टेस्ट वेन्यू पर मैच खेलेगा। 2018 से इन मैदानों पर भारत ने कम से कम एक मैच जरूर खेला है। पर्थ और सिडनी को छोड़कर भारत ने सभी में जीत भी हासिल की है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में भारत को पहली जीत की तलाश है। वहीं सिडनी में टीम ने पिछले तीनों टेस्ट ड्रॉ ही खेले। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले 10 साल से कोई टेस्ट सीरीज भी नहीं हारी। इस बीच टीम ने 4 सीरीज 2-1 के अंतर से जीतीं। 2 अपने घर पर और 2 ऑस्ट्रेलिया में।

ऑप्टस स्टेडियम, पर्थः ऑस्ट्रेलिया का नया किला पर्थ में 2 स्टेडियम हैं, एक ग्राउंड और दूसरा ऑप्टस स्टेडियम। वाका में 2017 तक टेस्ट मैच खेले जाते रहे, 2018 से ऑस्ट्रेलिया ने ऑप्टस स्टेडियम को नया टेस्ट वेन्यू बना लिया। यहां पहला मैच भारत ने ही खेला था, तब विराट कोहली के बेहतरीन शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली थी। यहां 22 नवंबर को सीरीज का पहला मैच होगा। पर्थ में ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 4 टेस्ट खेले और चारों जीते। हर बार टीम ने पहले बैटिंग कर बड़ा स्कोर बनाया और जीत दर्ज की। यहां पेस बॉलर्स को ज्यादा मदद मिलती है, भारत ने पिछले टेस्ट में एक भी फुल टाइम स्पिनर नहीं खिलाया था। इसके बावजूद ऑफ स्पिनर नाथन लायन 27 विकेट के यहां के पर टॉप विकेट टेकर हैं।

एडिलेड ओवलः आखिरी टेस्ट में 36 पर सिमटा था भारत एडिलेड स्टेडियम का नाम विराट के कप्तानी डेब्यू के साथ जोड़ा जाता है। जहां 2014 में उन्होंने दोनों पारियों में सेंचुरी लगाई थी, लेकिन 2020 में टीम इंडिया कोहली की कप्तानी में ही 36 रन पर ऑलआउट हो गई। जो टेस्ट में भारत का सबसे छोटा स्कोर है, यह एक डे-नाइट टेस्ट था। टीम अब फिर इस मैदान पर 6 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट ही खेलेगी। एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया ने एक भी डे-नाइट टेस्ट नहीं गंवाया। 2018 से टीम ने यहां कुल 6 टेस्ट खेले, टीम को 5 में जीत मिली, जबकि इकलौती हार भारत के खिलाफ 2018 में ही आई। यहां पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने 4 और पहले बॉलिंग करने वाली टीमों ने 2 टेस्ट जीते। पहली पारी का औसत स्कोर 375 रन है। भारत ने यहां 2018 से 2 टेस्ट खेले, 1 जीता और 1 गंवाया। विदेश के डे-नाइट टेस्ट में तीसरा सेशन अहम हो जाता है, क्योंकि लाइट्स चालू होने के बाद पिंक बॉल की स्विंग बढ़ जाती हैं। ऐसे में दोनों ही टीमें तीसरे सेशन में ज्यादातर बार गेंदबाजी करना ही पसंद करेंगी। एडिलेड में मिचेल स्टार्क 30 विकेट लेकर टॉप बॉलर हैं। कोहली यहां 63 की औसत से 509 रन बना चुके हैं। उनके नाम यहां 3 सेंचुरी हैं।

द गाबा, ब्रिसबेनः 2 टेस्ट हार चुकी होम टीम ब्रिसबेन का द गाबा स्टेडियम 2020 तक ऑस्ट्रेलिया का किला था। होम टीम को यहां 1988 से किसी भी टेस्ट में हार नहीं मिली थी। 2021 में फिर भारत ने यहां 3 विकेट से टेस्ट जीतकर सीरीज अपने नाम की थी। भारत के बाद इसी साल कंगारू टीम को वेस्टइंडीज ने भी हरा दिया। ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया ने 2018 से 6 टेस्ट खेले, 4 जीते और 2 गंवाए। यहां पहले बैटिंग करने वाली टीम को एक ही बार जीत मिली, यह जीत वेस्टइंडीज ने इसी साल डे-नाइट टेस्ट में हासिल की थी। यहां बाकी मैच दिन में ही खेले गए।

अल्कारेज ने रुबलेव को दी शिकस्त

एलेक्जेंडर ज्वेरेव की लगातार दूसरी जीत

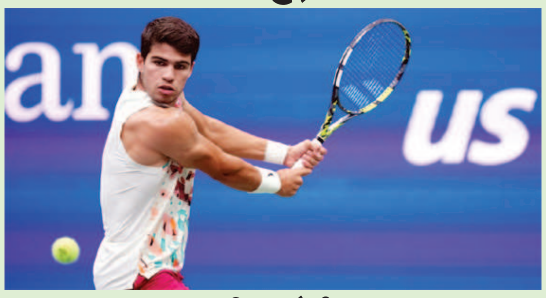

तुरिन. एजेंसी

दूसरी वरीय खिलाड़ी जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरी जीत दर्ज की। जर्मन खिलाड़ी ने ग्रुप मुकाबले में कैस्पर रूड को 7-6, 6-3 से हराया। अपने पहले मैच में कार्लोस अल्कारेज को हराने वाले रूड यहां आत्मविश्वास से भरे हुए दिख रहे थे, लेकिन ज्वेरेव ने उन्हें 86 मिनट में हरा दिया। इससे पहले स्पेन के तीसरी वरीय खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने अपने दूसरे मैच में आंद्रे रुबलेव को 6-3, 7-6 से हराया।

फ्रिट्ज अंतिम चार की होड़ में कायम

अमरीका के पांचवीं वरीय पुरुष खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज ने शानदार जीत हासिल कर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। उन्होंने ग्रुप मैच में ऑस्ट्रेलिया के सातवीं वरीय एलेक्स डी मिनौर को कड़े संघर्ष में 5-7, 6-4, 6-3 से शिकस्त दी। इससे पहले, टेलर फ्रिट्ज को दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जेनिक सिनर के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

मेट्रो बाजार

खुदरा के बाद थोक महंगाई भी बढ़ी सब्जियों के थोक भाव 63 फीसदी बढ़े

नईदिल्ली. एजेंसी

खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में 14 महीने की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद पिछले महीने थोक महंगाई दर भी 4 माह की ऊंचाई पर पहुंच गई। थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति अक्टूबर में 2.36 फीसदी बढ़ी। खाद्य वस्तुओं खासकर सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं (मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स) के दाम में बढ़ोतरी इसकी मुख्य वजह रही। खाद्य वस्तुओं की थोक अक्टूबर में 13.54 फीसदी बढ़ी, जो सितंबर में 11.53 फीसदी बढ़ी थी। सब्जियों की थोक महंगाई में 63.04 फीसदी रका इजाफा हुआ। आलू के थोक भाव एक साल में 78 फीसदी तो प्याज के 39 फीसदी बढ़ गए। खुदरा और थोक महंगाई बढ़ने से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद धूमिल हो गई है। इस बीच बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट और आइआइटी बॉम्बे के अध्ययन में दावा किया गया है कि वर्ष 2021 में 7 एग्री-कमोडिटीज के वायदा कारोबार (फ्यूचर डेरिवेटिव ट्रेडिंग) पर लगाए गए प्रतिबंध से इन जिसों की महंगाई रुकने के बजाय और बढ़ गई। सेबी ने चना, गेहूं, धान, मूंग, कच्चा पाम तेल, सरसों और सोयाबीन की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने को फ्यूचर डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग को निलंबित कर दिया था। बिरला इंस्टीट्यूट ने 2016 से 2024 के बीच सरसों, सोयाबीन व पाम ऑयल के व्यापार डेटा का विश्लेषण किया। इसमें निष्कर्ष निकला कि जब इन कृषि उत्पादों के लिए एक्सचेंज-ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव्स निलंबित कर दिए गए, तो मंडियों में कोई स्पष्ट संदर्भ मूल्य नहीं था। इसका नतीजा यह हुआ कि मूल्य में भारी उतार-चढ़ाव आया, जिससे किसान व उपभोक्ता दोनों को अधिक कीमतों का सामना करना पड़ा। फ्यूचर्स ट्रेडिंग बैन होने से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इन कृषि उत्पादों के हेजिंग की क्षमता पर असर पड़ा।

20 लाख तक आय वाले मध्यमवर्ग पर घटा इनकम टैक्स का बोझ

नई दिल्ली. एजेंसी

दस साल में आइटीआर दाखिल करने वालों की संख्या में 120त्न की बढ़ोतरी हुई है, हालांकि मध्यम वर्ग पर इनकम टैक्स का बोझ कम हुआ है। सालाना 20 लाख तक कमाने वाले को 10 साल पहले के मुकाबले कम टैक्स देना पड़ रहा है। इनकम टैक्स विभाग के मुताबिक, वित्त वर्ष 2013-14 में सालाना 10-15 लाख कमाने वाले औसतन 2.3 लाख रुपए इनकम टैक्स देते थे। अब उन्हें औसतन 1.1 लाख रुपए ही टैक्स देना पड़ रहा है। 15-20 लाख रुपए कमाने वालों को औसतन 4.1 लाख रुपए टैक्स देते थे, जो घटकर 1.7 लाख रह गया है। एक दशक पहले 2.5-7 लाख रुपए तक कमाने वालों को 25,000 रुपए तक टैक्स देना पड़ता था, जो अब जीरो है। इनकम टैक्स संग्रह में सालाना 10 लाख रुपए से कम कमाने वालों की हिस्सेदारी घटकर 6.22त्न रह गई है जो वर्ष 2014 में 10.17त्न थी। इनकम टैक्स का 76त्न हिस्सा 50 लाख रुपए से अधिक कमाने वालों से वसूला जाता है। इससे मध्यम वर्ग पर टैक्स का बोझ कम हुआ है।

महिला हॉकी: जीत की हैट्रिक के साथ एशियाई चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

भारतीय टीम ने थाइलैंड को 13-0 से दी मात

पटना. एजेंसी

मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन कायम रखते हुए यहां एशियाई महिला हॉकी चैंपियनशिप में थाइलैंड को 13-0 से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

दीपिका का पंच : भारत की ओर से दीपिका ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए पांच गोल किए। उन्होंने मैच के तीसरे, 19वें, 43वें, 45वें और 46वें मिनट में गोल दागा। इस मैच में पूरे समय भारत का दबदबा रहा।

इन्होंने भी किए शानदार गोलः दीपिका के अलावा भारत की ओर से मनीषा चौहान और लालेरसिमी ने दो-दो गोल किए। ब्यूटी डुंग डुंग और नवनीत कौर ने एक-एक गोल किया। भारतीय टीम का मुकाबला अब पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता चीन से होगा, जो भारत से एक स्थान पर शीर्ष पर है।

7-7 ओवर के मैच में 29 रन से हारा पाक

ब्रिस्बेन. एजेंसी

मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 29 रन से हरा दिया। बारिश और गीले आउटफील्ड के चलते यह मैच देरी से शुरू हुआ जिसे संशोधित कर 7-7 ओवर का कर दिया गया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। ऑस्ट्रेलिया ने ग्लेन मैक्सवेल (43) और मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 21) की पारियों से 7 ओवर में 4 विकेट खोकर 93 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने महज 16 रन तक अपने पांच विकेट गंवा दिए थे। टीम 7 ओवर में 9 विकेट खोकर 64 रन ही बना सकी। जेवियर बार्टलेट ने और नाथन एलिस ने तीन-तीन विकेट लिए।

जीत का हीरो : 19 गेंदों में 43 रन की पारी खेलने वाले मैक्सवेल प्लेयर ऑफ द मैच बने। उन्होंने पांच चौके और तीन छक्के लगाए।

बैडमिंटन: जापन ओपन के दूसरे राउंड में हारकर बाहर हुई भारतीय शटलर

फीकी पड़ रही सिंधू की चमक, दो साल में 74 मैच हारी, कोई खिताब नहीं जीता

कोमामोतो (जापान). एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता शटलर पीवी सिंधू का बुरा दौरा थम ही नहीं रहा है। पेरिस ओलंपिक 2024 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सिंधू ने कुछ समय के लिए ब्रेक लिया और नए सीजन की शुरुआत की।

माना जा रहा था सिंधू जोरदार अंदाज में वापसी करेंगी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। गुरुवार को खेले गए जापान मास्टर्स के दूसरे दौर में ही सिंधू हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पेरिस ओलंपिक के बाद यह तीसरा टूर्नामेंट है, जिसमें सिंधू की चुनौती जल्द खत्म हो गई। कनाडा की खिलाड़ी मिशेल ली ने हराया सिंधू महिला एकल के दूसरे दौर में कनाडा की मिशेल ली के खिलाफ कड़े मैच के बाद 21-17, 16-21, 17-21 से हार गईं। इससे टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती खत्म हो गई। सिंधू को पिछले चार मैचों में मिशेल के खिलाफ तीसरी हार मिली है। हालांकि सिंधू का मिशेल के खिलाफ ओवरऑल रेकॉर्ड 15 मैचों में 10-5 का है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

एक विज्ञापन फिल्म के बदले की गई अनुचित मांग, काव्या ने साझा किया बुरा अनुभव

अभिनेत्री काव्या थापर ने कास्टिंग काउच को लेकर बयान दिया है, जिसमें उन्होंने अपने साथ हुए एक बुरे अनुभव का जिक्र किया है, जब उनसे एक विज्ञापन फिल्म में काम करने के बदले में अनुचित मांग रखी गई थी। काव्या थापर भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में एक विज्ञापन शूट के दौरान एक कास्टिंग डायरेक्टर के तरफ से हुए बुरे अनुभव का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कास्टिंग डायरेक्टर ने उनसे एक अनुचित अनुरोध किया, जिस पर उन्होंने कड़ा ऐतराज भी जताया था। अभिनेत्री ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि उन्हें एक विज्ञापन में काम करने का प्रस्ताव मिला था, जिसके लिए वह ऑडिशन देने के लिए उनके कार्यालय गईं। कार्यालय पहुंचने के बाद, निर्देशक ने उनसे न केवल एक, बल्कि चार विज्ञापनों में अभिनय करने का ऑफर दिया। इसमें जोड़ते हुए निर्देशक ने उनसे कहा कि उन्हें यदि एक विज्ञापन से ज्यादा में काम करना है, तो उन्हें कुछ अनुचित चीजों को लेकर सहमति जतानी होगी। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्होंने इसके जवाब में कहा था कि उन्हें ऐसी चीजें पसंद नहीं हैं। काव्या थापर के इस खुलासे ने मनोरंजन जगत से जुड़े कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया है और लोग इस पर काफी चर्चा भी कर रहे हैं। हाल ही में जस्टिस हेमा कमेटी द्वारा एक रिपोर्ट जारी की गई है, जिसने मलयालम फिल्म उद्योग में हलचल मचा दी है। समिति ने निष्कर्ष निकाला है कि इस उद्योग में महिला अभिनेताओं के लिए कोई सुरक्षा नहीं है, क्योंकि उन्हें अवसरों के नाम पर डराया जा रहा है। इस रिपोर्ट के बाद, कई अभिनेत्रियां आगे आईं और अपने अनुभव साझा किए। इस स्त्र5म में काव्या का ये बयान भी काफी चर्चा बटोर रहा है।

पिता के फेम से बचना चाहती थीं श्रुति बोलीं बाद में समझी उनके बिना मैं कुछ नहीं

श्रुति हासन अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रुति ने बताया कि फिल्मी परिवार में जन्म लेना अक्सर मुश्किल होता है, खासकर तब जब आपके पिता बड़े स्टार हों। एक्ट्रेस की मानें तो उन्होंने कई बार अपनी पहचान छिपाने की कोशिश भी की। हालांकि, बाद में उन्हें यह समझ में आ गया कि पिता कमल हासन के बिना वह खुद को नहीं सोच सकतीं। मदन गौरी से बातचीत में श्रुति हासन ने कहा, लोग हमेशा मुझसे मेरे पिता के बारे में सवाल करते थे। ऐसा एक-दो बार नहीं, बल्कि कई बार होता था। मुझे लगता था कि मैं श्रुति हूं, मुझे अपनी पहचान चाहिए। लोग मुझे देखकर कहते थे यह तो कमल हासन की बेटी है। अगर कोई मुझसे पूछता, तो मैं कहती, नहीं, मेरे पिता डॉ. रामचंद्रन हैं, जो हमारे डेंटिस्ट का नाम था। मेरा नाम पूजा रामचंद्रन है। यह नाम मैंने खुद चुना था। श्रुति ने कहा, यह सिर्फ इस कारण नहीं था कि मेरे पिता एक एक्टर या फिर फेमस इंसान हैं, बल्कि बचपन से ही मुझे यह महसूस होता था कि वह बाकी सभी से अलग हैं। मुझे और मेरी बहन को बहुत जिद्दी लोगों ने पाला था और यह हमारी आदत बन गई। जब मेरे माता-पिता अलग हुए, तो मैं मुंबई चली गई। यहां श्रुति बनकर रहना मुझे कभी अच्छा नहीं लगा। जब हर जगह पापा के पोस्टर लगे हों, तो उनके नाम से अलग होना बहुत मुश्किल था। आज मुझे लगता है कि कमल हासन के बिना श्रुति का कोई अस्तित्व नहीं है। श्रुति ने 1999 में अपना करियर शुरू किया था। वह साउथ इंडियन सिनेमा की लीडिंग अभिनेत्रियों में से एक मानी जाती हैं। श्रुति ने डी-डे, रमैय्या वस्तावैया, गब्बर इज बैक, वेलकम बैक, रॉकी हैंडसम जैसी फिल्मों में काम किया है। वह शॉर्ट फिल्म देवी में भी नजर आई थीं।

जीवन के आने वाले 10 वर्षों में खूब काम करेंगे आमिर

जब आमिर अपने ब्रेक से लौटे, तो उन्होंने तुरंत छह प्रोजेक्ट हाथ में ले लिए, जो उनके करियर में पहली बार है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अभिनेता ने इसके पीछे की वजह का खुलासा किया।

आमिर खान बॉलीवुड के बड़े सुपरस्टार हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार और बेहतरीन फिल्में दी हैं। 1988 में 'कयामत से कयामत तक' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले आमिर खान तीन दशक से भी ज्यादा समय से हिंदी सिनेमा में अपना योगदान दे रहे हैं। हालांकि, महामारी के बाद आमिर ने इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला कर लिया था, लेकिन परिवार ने उन्हें अपने फैसले पर फिर से विचार करने का सुझाव दिया। अब हाल ही में, आमिर ने अपने आने वाले दस साल के प्लान के बारे में बताया है। जब आमिर अपने ब्रेक से लौटे, तो उन्होंने तुरंत छह प्रोजेक्ट हाथ में ले लिए, जो उनके करियर में पहली बार है। एक इंटरव्यू में, अभिनेता ने इसके पीछे की वजह का खुलासा किया। हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए गए इंटरव्यू में आमिर ने कहा, मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी एक साथ छह फिल्में नहीं की हैं। इस बार, मेरे पास इसके लिए अपनी वजह थी। अभिनेता ने आगे कहा, जब मैंने आखिरकार तय किया कि, ठीक है, मैं अभी फिल्में नहीं छोड़ूंगा, तो मेरे दिमाग में अगला विचार आया कि शायद ये मेरे कामकाजी जीवन के आखिरी 10 साल हैं।

नशा करने और बेचने वालों पर एक्शन ढाई दर्जन लोगों पर केस दर्ज

डीजीपी के निर्देश पर चल रहा अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में मादक पदार्थ की तस्करी और उसका उपयोग करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। नशे पर प्रहार अभियान के तहत पिछले चौबीस घंटों के भीतर गांजा बेचने और पीने वाले करीब ढाई दर्जन लोगों को पकड़ा गया है। यह कार्रवाई अलग अलग थानों की पुलिस अपने अपने इलाके में कर रही है। एक दिन पहले क्राइम ब्रांच की टीम ने तीन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 8.60 लाख रुपए की चरस जब्त की थी।

पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना के निर्देश पर नशे के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत राजधानी की भोपाल पुलिस ने भी कार्रवाई तेज कर दी है। ऐशबाग पुलिस ने जनता क्वार्टर से फरदीन बेग नामक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास अवैध रूप से रखा 200 ग्राम गांजा जब्त किया है। इसी प्रकार बागसेवनिया पुलिस ने रिषी माली और रीना शंकर से पौने 3 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। तलैया पुलिस ने इतवारा स्थित मछली मार्केट से सिकंदर से 124 ग्राम और माया से 102 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त हुए गांजे की कीमत हजारों रुपये बताई गई है। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिए गए हैं। गांजा पीते चढ़े पुलिस के हत्थे मादक पदार्थ की तस्करी के साथ उसका उपयोग करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में जहांगीराबाद में तीन, ऐशबाग और बजरिया में एक-एक, अशोका गार्डन में छह, टीटी नगर एक, कमला नगर दो, शाहजहांनाबाद एक, कोहेफिजा दो, हनुमानगंज एक, गौतम नगर दो, चूनाभट्टी एक और निशातपुरा पुलिस ने गांजा पीते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए हैं। इधर कोलार थाना पुलिस ने माया सिटी के पास नजरू भील निवासी बोदाखोह को पकड़कर अवैध रूप से रखी कच्ची शराब जब्त की है।

सफर के दौरान डॉक्टर का आईफोन एसी कोच से चोरी, कई अन्य मुसाफिर भी लुटे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में मोबाइल और सामान चोरी होने का सिलसिला जारी है। स्पेशल ट्रेन के एसी कोच में सफर कर रहे एक डॉक्टर का आईफोन बदमाश चोरी कर ले गए। चोरी गए मोबाइल की कीमत 60 हजार रुपए बताई गई है। अन्य यात्रियों के मोबाइल और पर्स चोरी हुए हैं। जीआरपी ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार विवेकानंद वार्ड जबलपुर निवासी डॉक्टर अजय शुक्ला (54) अपनी पत्नी के साथ पिछले दिनों जबलपुर से बांद्रा वीकली स्पेशल ट्रेन के एसी कोच में उज्जैन की यात्रा कर रहे थे। वह अपनी बर्थ पर लेटे हुए थे और आईफोन बीच वाली टेबिल पर रख दिया था। भोपाल स्टेशन से ट्रेन चलने के बाद संत हिरदाराम नगर स्टेशन पहुंची। उस वक्त उनकी नजर पड़ी तो टेबिल पर रखा मोबाइल फोन गायब था। अज्ञात बदमाशों ने उनका साठ हजार रुपये कीमत का मोबाइल चोरी कर लिया था।

इसी प्रकार शिवाजी वार्ड थाना सिविल लाइन जिला सागर निवासी सूरज सिंह नेगी (31) भोपाल इंदौर ट्रेन के जनरल कोच में इंदौर की यात्रा कर रहे थे। भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक चार पर ट्रेन में चढ़ने के दौरान किसी ने उनकी जेब से पर्स चोरी कर लिया। चोरी गए पर्स में आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, बाइक की आरसी, एटीएम कार्ड, वोटर आईडी और ढाई हजार रुपए नगदी रखी हुई थी। जीआरपी ने दोनों ही मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। चार्जिंग में लगा मोबाइल चोरी दतिया निवासी अरविंद सिंह गुर्जर गोवा एक्सप्रेस के जनरल कोच में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई स्टेशन से भोपाल की यात्रा कर रहा था। इस दौरान उन्होंने अपना मोबाइल फोन चार्जिंग पाइंट पर लगा दिया था। सफर के दौरान अरविंद को नींद लग गई। ट्रेन जब विदिशा रेलवे स्टेशन क्रास कर रही थी, तभी उनकी नजर पड़ी तो चार्जिंग पाइंट पर लगा मोबाइल फोन चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपए बताई गई है। विदिशा जीआरपी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

सोते समय जेब से मोबाइल चोरी अशोक नगर निवासी सुनील बंजारा अपने गांव जाने के लिए बीना स्टेशन पहुंचा था। उसे अशोक नगर के लिए ट्रेन पकड़नी थी। कोई साधन नहीं मिलने के कारण वह प्लेटफार्म क्रमांक एक स्थित मुसाफिर खाने के पास जाकर सो गया। रात करीब एक बजे नींद खुली तो उसकी जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 18 हजार रुपये बताई गई है। जीआरपी ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बैरागढ़ स्थित इंद्रा नगर में हत्या के बाद पुलिस को किया गुमराह

चिकन बनाने से मना किया तो बिफरे युवक को मां-भाईयों ने मार डाला

पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद खुलासा

दोपहर मेट्रो

भोपाल। बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित इंद्रा नगर में गत 9 नवंबर को युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। उक्त मामले में पुलिस ने मृतक के बड़े और छोटे भाई समेत मां को गिरफ्तार किया है। दरअसल, तीनों ने मिलकर उसकी हत्या की थी। मौत की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची तो आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करना शुरू कर दिया। मामला संदिग्ध लगने के कारण पुलिस ने जांच की। इस बीच पीएम रिपोर्ट मिल गई। पीएम रिपोर्ट मौत का कारण गला दबाने की बात सामने आई। लिहाजा पुलिस ने मृतक के भाइयों और मां से सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने हत्या करने की बात स्वीकार ली। आरोपियों ने बताया कि मृतक उस दिन शराब के नशे में चिकन लेकर घर पहुंचा था और घर में चिकन बनाने की जिद कर रहा था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ और उन्होंने मारपीट करते हुए रस्सी से उसका गला दबा दिया।

पुलिस के अनुसार अंशुल यादव पिता शिवराज यादव (22) मूलत~गांव खेड़ी, थाना श्मशाबाद, जिला विदिशा का था। उसके पिता गांव में रहते हैं और मिस्त्री का काम करते हैं। अंशुल यहां इंद्रा नगर में मां अनिता यादव, भाई अमन और कुलदीप के साथ रहता था। अंशुल दोनों भाइयों के बीच का था। तीनों प्राइवेट काम करते?थे और शराब पीने के आदी थे। 9 नवंबर को भी तीनों ने शराब पी थी। अंशुल मार्केट गया और वहां से चिकन खरीदकर ले आया। वह घर में चिकन बनाने की जिद करने लगा। इस बात को लेकर भाइयों से उसका विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर मां भी बीच में आ गई और कहने लगी कि शराब तक तो ठीक था, लेकिन अब घर में चिकन नहीं बनेगा। इधर अंशुल जिद पर अड़ा?था कि उसने चिकन खरीदकर लाया है और चिकन घर पर ही बनेगा। चिकन बनाने की बात को लेकर तीनों भाइयों में मारपीट होने लगी। मारपीट में अनिता ने भी अमन यादव और कुलदीप यादव का सहयोग किया। तीनों ने मिलकर अंशुल के साथ मारपीट की और रस्सी से उसका गला दबा दिया। मौत होने के बाद उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस को आरोपियों ने गुमराह करना शुरू कर दिया। वह कहने लगे कि उसकी बेहोश होने के बाद मौत हो गई थी। पुलिस को मृतक के परिजन पर संदेह था। पीएम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा था। पीएम रिपोर्ट मिलते ही पुलिस ने तीनों संदिग्धों से पूछताछ की तो उन्होंने हत्या करने की बात स्वीकार ली।

पंद्रह साल की किशोरी ने फांसी लगाई, पोहा बनाने मां ने कहा तो गुस्से में उठाया कदम

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित राज सम्राट कालोनी में 15 साल की किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी को मां ने पोहा बनाने का कहा था। इससे गुस्से में आकर उसने यह कदम उठाया है। पिपलानी पुलिस जांच में जुटी है। एसआइ विजय सिंह ने बताया कि जेके रोड स्थित राज सम्राट कालोनी निवासी नितिन दुबे पत्रकार हैं। उनकी 15 साल की बेटी नंदिनी दुबे की कोरोना काल में पांचवीं-छठवीं की पढाई छूट गई थी। वह अभी घर में ही परिवार के साथ रह रही थी। नितिन दुबे ने पुलिस को बताया की शुक्रवार सुबह पत्नी घर के काम में व्यस्त थीं ।उन्होंने बेटी नंदिनी से पोहा बनाने को कहा। वह मना करते हुए गुस्से में अपने कमरे में चली गई। कुछ देर बाद नितिन कमरे में पहुंचे तो बेटी फंदे पर लटकी मिली।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, चलती ट्रेन से गिरने का अनुमान

भोपाल। सूखी सेवनिया पुलिस ने रेलवे पटरी से एक अज्ञात व्यक्ति की लाश बरामद की है। मृतक के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान की जा सके। शव मिलने की सूचना और हुलिये की जानकारी जीआरपी और आरपीएफ के सभी थानों को भेज दी गई है। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि वह किसी चलती ट्रेन से गिरा होगा। फिलहाल मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए मचुर्री में रखवा दिया गया है। हेड कांस्टेबल संजय शर्मा ने बताया कि गुरुवार दोपहर सूचना मिली कि भदभदा रेलवे स्टेशन से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे दीवानगंज स्टेशन की तरफ रेलवे पटरी के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति की लाश पड़ी है। यह सूचना रेलवे के पाइंटमैन युवराज ने दी थी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने खंभा नंबर 856 के पास अज्ञात व्यक्ति की लाश बरामद की। शव का पंचनामा बनाकर पीएम के लिए मचुर्री भेज दिया गया है। तलाशी लेने पर मृतक के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त की जा सके। अनुमान है कि वह किसी ट्रेन के गेट पर बैठा रहा होगा, तभी नीचे गिरने से उसकी मौत हो गई। शव की पहचान के प्रयास जारी हेड कांस्टेबल शर्मा ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 55 वर्ष होगी। वह सफेद और काले रंग की चौकड़ी शर्ट, नीले रंग का लोवर और पैरों में स्लीपर पहने था। उसके गले में एक कंबल लिपटा हुआ था। अनुमान है कि वह ट्रेन के गेट पर बैठा होगा, तभी हवा का झोंका आने पर नीचे जा गिरा, जिससे उसकी मौत हो गई। शव की पहचान के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। पहचान के बाद ही सही घटनाक्रम का खुलासा हो सकेगा।

हिमाचल प्रदेश से लाई चरस दंपति ने कबूली करतूत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र में बरामद हुई आठ करोड़ रुपए कीमत की साढ़े 8 किलो चरस हिमाचल प्रदेश की कोसाल से लाई गई थी। पुलिस की पूछताछ में तस्करों ने बताया कि वह इसे भोपाल, इंदौर व राजगढ़ में खपाने की तैयारी में थे। इससे पहले पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

एडिशनल डीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान के मुताबिक तस्करों ने पूछताछ में बताया कि गुरूवार को ही वे हिमाचल प्रदेश के कोसाल से उत्तरप्रदेश के रास्ते चरस लेकर सीधे खजूरी सडक पहुंचे थे। योजना के अनुसार भोपाल, इंदौर और राजगढ़ के फुटकर सप्लायर चरस खरीदने यहां पहुंचने वाले थे। यहां से भारी मात्रा में चरस खरीदकर वे अपने-अपने इलाकों में इसे बेचते। आरोपी इससे पहले भी मादक पदार्थ तस्करी कर चुके हैं, इनमें से आमिर कुरैशी के विरूद्ध 2016 में मंगलवारा थाना में एनडीपीएस के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया था। बता दें, क्राइम ब्रांच पुलिस ने गुरूवार को बरखेड़ा सालम जोड़ पर न्यू विक्की ढाबा के पास कार सवार आमिर कुरैशी, उसकी पत्नी जाहिदा व प्रतीक मिश्रा को गिरफ्तार किया गया था। इनके पास से आठ किलो 400 ग्राम चरस, दो लाख रुपये नकद, पांच मोबाईल फोन एवं एक कार जब्त की गई थी।

कार की डिक्की में चरस भरकर लाया

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि पति-पत्नी हिमाचल प्रदेश चरस अपनी कार की डिक्की में भरकर लाते हैं। रास्ते में पुलिस की चेकिंग प्वाइंट से बचकर निकलते हैं। गुजरना भी होता है कि जाहिदा को आमिर आगे कर देता है। वह पुलिस को बताती है कि वह परिवार के साथ है। डिक्की में घरेलू सामान है।

पत्नी को कमरे में बंद कर पति ने लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव उनींदा में रहने वाले एक युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पहले उसने पत्नी को कमरे में बंद कर बाहर से कुंदी लगा दी थी। पत्नी पीछे के दरवाजे से निकलकर पति के कमरे पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। आसपास के लोगों की मदद से दरवाजा खोला तो वह फांसी लगाकर खुदकुशी कर चुका था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा ने बताया कि भिंदर सिंह पारदी (45) ग्राम उनींदा टोला थाना गुनगा में रहता था और मजदूरी करता था। उसकी पहली पत्नी का निधन हो चुका है, जिसके तीन बच्चे हैं और भोपाल में रहकर काम करते हैं। भिंदर अपनी दूसरी पत्नी के साथ गांव में रहता था। गुरुवार की शाम करीब छह बजे पत्नी अपने कमरे में थी तो उसने बाहर से कुंदी लगा दी। बाद में वह दूसरे कमरे में पहुंचा और फांसी लगा ली। काफी देर बाद भी जब पत्नी के कमरे की कुंदी नहीं खुली तो वह पिछले दरवाजे से बाहर निकली और पति के कमरे पर पहुंची तो वह भीतर से बंद मिला। आसपास के लोगों को बुलाकर किसी तरह दरवाजा खुलवाया तो भिंदर फांसी पर लटका हुआ था। परिजनों ने उसका शव उतार लिया था, लेकिन पुलिस को सूचना नहीं दी थी। देर रात सूचना मिलने के बाद पुलिस मौक पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए मचुर्री भेजा। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद लाश परिजन को सौंप दी गई।

आर्गन फेल होने से महिला की मौत, पहले तेज ठंड लगी, फिर बेसुध

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित नया शिव नगर, आनंद नगर में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बेसुध होने पर परिजन उसे एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को हुए पीएम के बाद डॉक्टर ने ओपिनियन दिया कि उसकी मौत आर्गन फेल होने से हुई है।

पुलिस के अनुसार बबली पटेल पति स्वर्गीय जीतू पटेल (38) नया शिव नगर, आनंद नगर पिपलानी में रहती थी। उसकी ससुराल अयोध्या नगर में थी। पति की मौत करीब चार साल पूर्व हो चुकी है। पति की मौत के बाद वह मायके में बुजुर्ग मां और नाबालिग भाई के साथ रह रही थी। उसके साथ उसकी 19 साल और 7 साल की बच्ची भी रहती थी। परिजन ने बताया कि गुरुवार देर रात बबली को ठंडी लगी। आग के पास बैठकर उसे गर्मी होने लगी। इसके बाद वह कमरे में गई और बेसुध हो गई। ऑटो से वे बबली को लेकर एम्स पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर बबली को मृत घोषित कर दिया। परिजन ने बताया कि बबली को मिर्गी का दौरा आता था और उसका मानसिक संतुलन भी ठीक नहीं था।

मेट्रो एंकर

भेल अधिकारी को फंसाकर की थी ब्लैकमेलिंग

रिटायर्ड सीएसपी का भतीजा निकला हनीट्रैप का आरोपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भेल के अधिकारी को हनीट्रैप में फंसाने वाला आरोपी रिटायर्ड सीएसपी के भतीजे निकला। गोविंदपुरा पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पूर्व में भी ऑनलाइन सेक्स रैकेट के प्रकरण में गिरफ्तार हो चुका है। उसे साइबर पुलिस ने सात साल पहले मंगलवारा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। गोविंदपुरा पुलिस ने बताया कि मूलत~सतना निवासी सुभाष उर्फ वीर द्विवेदी को गिरफ्तार किया गया है। भेल अधिकारी के हनीट्रैप मामले में यह तीसरी गिरफ्तारी है। सुभाष ने पूर्व में गिरफ्तार भेल अधिकारी के करीबी दोस्त शशांक वर्मा के जरिए कालगर्ल पूजा को रशियन गर्ल बताकर होटल में भेजा था। शशांक ने भेल अधिकारी से लिए पैसे को वीर के पास आनलाइन भेजा था। मामले में शशांक और पूजा गिरफ्तार हो चुकी हैं। वीर कालगर्ल का सप्लायर है। वह कोलकाता, मुंबई, पहाड़ी राज्यों से लड़कियों को नौकरी के बहाने भोपाल बुलाता है। इसके बाद उन्हें देहव्यापार में धकेल देता है। उनके वीडियो बना लेता है। कोई लडकी विरोध करती है, तो वह वीडियो वायरल की धमकी देता है।

सेक्स रैकेट में नाम आने पर सीएसपी ने पीटा था

वीर भोपाल में पहले भी पकड़ा जा चुका है। उस समय उसके रिश्ते में ताऊ भोपाल में सीएसपी थे। तब उन्होंने वीर को जमकर पीटा था। उस समय उसने सेक्स रैकेट चलाना कुछ दिन के लिए बंद कर दिया था। बाद में फिर वह सक्रिय हो गया। अब वह फिर कालगर्ल उपलब्ध कराने लगा था।

भेल अफसर को ऐसे फंसाया

गोविंदपुरा पुलिस के अनुसार मकान-124/1 शक्ति नगर गोविंदपुरा निवासी राज (परिवर्तित नाम) भेल में पदस्थ हैं। उन्होंने पुलिस को बताया था कि साकेत नगर निवासी शशांक वर्मा उर्फ सन्नी को वह 25 साल से जानते हैं। 14 अगस्त को वह मुझे होटल सिलेस्टियल पार्क लेकर गया था। उसने कहा कि होटल में एक रशियन लड़की से रातभर मुलाकात कराएंगे। राज उसके साथ होटल चले गए। करीब 15 मिनट होटल में रहने के बाद वह रूम छोड़कर आ गए। 15 अगस्त को शाम करीब 5 बजे सन्नी उनके पास आया। उसने एक सामान्य फोटो-वीडियो दिखाया। जिसमें राज रशियन लड़की के साथ दिखे। इस तरह से उनके पास 27 और वीडियो भेजे गए। इसके बाद उनका अपहरण कर जबलपुर ले गए। उनसे 50 हजार रुपए लिए। यूपीआई अकाउंट से 40 हजार अपने अकाउंट में ट्रांसफर कराए। बाद में 60 हजार रुपए और लिए। पुलिस ने जांच के बाद शशांक वर्मा उर्फ सन्नी, उसकी सहयोगी ममता द्विवेदी, दीपक भगोरे, पूजा राजपूत के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022